वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 177 | सोमवार 20 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# अयोध्या में 26 लाख दीपक जलाने का रिकॉर्ड

## राम की पैड़ी पर लेजर शो में दिखे रामायण के प्रसंग

**अयोध्या।** अयोध्या में रविवार को 9वां दीपोत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी ने राम मंदिर में दीप जलाए। इसके बाद दीपोत्सव की शुरूआत की। इसी के साथ राम की पैड़ी पर दीपक जलाए गए। इस दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अयोध्या के नाम 2 रिकॉर्ड बने। पहला- 26 लाख 17 हजार 215 दीपक एक साथ जलाए गए। दूसरा- सरयू तट पर 2128 अर्चक सरयू की महाआरती की गई। ड्रोन से दीपों की काउंटिंग हुई। जबकि राम की पैड़ी पर लेजर लाइट शो किया गया। 1100 ड्रोन से विशेष शो किया गया।

**सूचना:** शाबाश इंडिया समाचार पत्र कार्यालय में दीपावली के अवसर पर 20, 21 व 22 अक्टूबर का अवकाश रहेगा जिसके कारण 21, 22 व 23 अक्टूबर को समाचार पत्र प्रकाशित नहीं होगा। अत: अगला अंक 24 अक्टूबर को प्रकाशित होगा। -सम्पादक

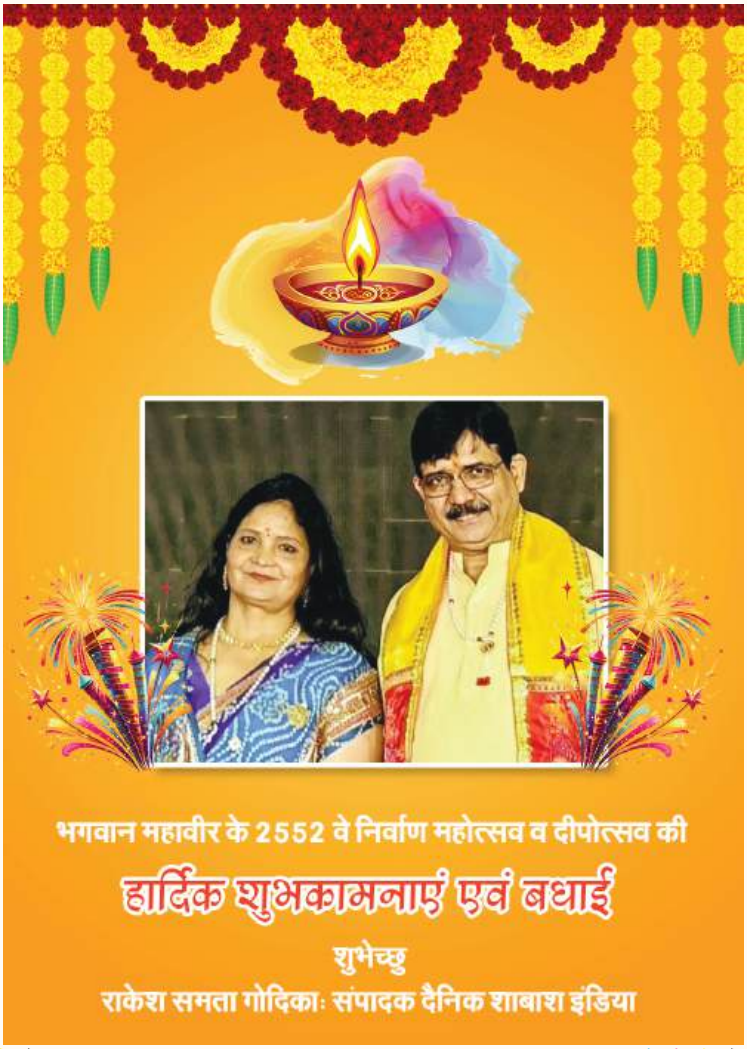

# कालानुक्रमिक गणना की प्राचीन पद्धति वीर निर्वाण सम्वत

संजय जैन बड़जात्या कामां

वर्तमान में कालक्रम की गणना हेतु विभिन्न सम्वत प्रचलन में हैं उन सब का संक्षिप्त विवेचन करे तो जैन धर्म के अनुसार वीर निर्वाण सम्वत कालानुक्रम गणना का सबसे प्राचीन सम्वत है। वीर निर्वाण संवत (युग) एक कैलेंडर युग है जिसकी शुरूआत ५२७ ई॰पू॰ से हुई थी। यह जैन धर्म के अंतिम व २४ वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण का स्मरण कराता है। यह कालानुक्रमिक गणना की सबसे पुरानी व प्राचीन प्रणाली में से एक है जो अभी भी भारत में उपयोग की जाती है। वीर निर्वाण सम्वत जैन धर्म की प्राचीनता,वैभवता का प्रस्तुतिकरण तो करता है साथ ही विद्वता व ज्ञान की उत्कृष्टता को भी प्रदर्शित करता है। वीर निर्वाण सम्वत 22 अक्टूबर 2025 से 2552 वें वीर निर्वाण सम्वत का प्रारम्भ हो रहा है।विक्रम संवत, ईसाई कैलेंडर से 57 साल आगे है अर्थात 2082, वहीं शक संवत, ईसाई कैलेंडर से 78 साल पीछे है अर्थात 1947 चल रहा है वही ईसाई (ग्रेगोरियन) कैलेंडर सम्वत 2025 ही चल रहा है अन्य संवत तो और भी पीछे निर्मित है। मुस्लिम हिजरी सम्वत तो 1436 वर्ष पूर्व ही निर्मित है। यह सब विवेचन इस बात को प्रमुखता के साथ सिद्ध करते हैं कि जैन पद्धति व गणना अन्य सभी से प्राचीन है। कालानुक्रमिक गणना में जैन वीर निर्वाण सम्वत अति प्राचीन है। इसी दिवस से, पूर्व में व्यापारियों द्वारा नववर्ष मानकर अपने बहीखाते में परिवर्तन किया जाता था अर्थात नूतन बहीखाते प्रारम्भ किये जाते थे। कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा से वीर निर्वाण सम्वत का शुभारंभ माना जाता है।अतः जैन धमार्नुसार नूतन वर्ष की आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं/बधाई।

# भगवान धन्वतरी पूजा अर्चना का भव्य आयोजन हुआ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** एक्युप्रेशर सेवा समिति जयपुर द्वारा भगवान धन्वन्तरी प्राकट्य दिवस के अवसर पर भगवान धन्वतरी पूजा अर्चना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में के. सी. बरड़िया (गौरव टावर), डॉ गोविन्द नारायण पारीक- ओ एस डी मुख्य मंत्री कार्यालय, डॉ पीयूष त्रिवेदी, गणपत राम यादव आई ए एस , राजेश मेकमिलन, डॉ गौरी शंकर इंदौरिया, डॉ के पी सिंह नाथावत, डॉ दिनेश शर्मा- परियोजना निदेशक आयुष विभाग, डॉ शिल्पा त्रिवेदी, डॉ ज्योति स्वरूप, डॉ सिया चरण शर्मा, स्त्री आत्मा राम वर्मा , महेश कुमार अग्रवाल, डॉ कमल चन्द, भरत सिंह बांगड़, उदय सिंह, बजरंग सिंह ने सामुहिक रूप से पूजा अर्चना करते हुए भगवान धन्वन्तरी से विश्व के समस्त लोगों को आरोग्य प्रदान करके के साथ ही मानव कल्याण की कामना की। इस अवसर पर डॉ पीयूष त्रिवेदी ने समस्त आगंतुक महानुभावों का अभिनंदन किया।

# दीपोत्सव से दमकी उदयपुर की गलियां-बाजार और झीलें

## धनतेरस से भाई दूज तक पांच दिवसीय उत्सव में सैलानियों और नागरिकों ने मिलकर बनाई अद्भुत रौनक

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

झीलों की नगरी उदयपुर में दीपावली की तैयारियां चरम पर हैं और शहर हर तरफ दीपों, रंग-बिरंगी झालरों और सजावटी रोशनी से जगमग कर रहा है। धनतेरस, नर्क चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के पर्वों ने पूरे शहर को उत्सव की रंगत से भर दिया है। वॉल सिटी, फतहसागर, दूधतलाई, हाथीपोल, बापू बाजार, सूरजपोल और भट्टियानी चौहट्टा तक गलियां और चौराहे दीपों की कतारों और झिलमिलाती सजावट से मनोहारी दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने भी ग्राहकों के स्वागत के लिए खास सजावट की है, जबकि मिठाई, परिधान और उपहार की दुकानों में खरीदारी का क्रम लगातार जारी है। पिछोला झील और फतहसागर पर दीपों का प्रतिबिंब पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। नगर निगम और पर्यटन विभाग द्वारा विशेष रोशनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था ने इस उत्सव को और भी भव्य बना दिया है। लेकसिटी के हर कोने में मुस्कान और दीपों की झिलमिलाहट ने शहर को सचमुच 'रोशनी की राजधानी' बना दिया है। **रिपोर्ट एवं फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

## वेद ज्ञान

# मन बच्चे की तरह होना चाहिए

भौतिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न होता है मनुष्य। वह इन शक्तियों को प्रयोग में ला सकता है। उनके उचित प्रयोग द्वारा वह वांछित परिणामों को पा सकता है। बाल्यावस्था में शरीर मन के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। मन अधिक सुगमतापूर्वक शरीर से अपने आदेशों का पालन करवा सकता है। बाद में जब बच्चे में विभिन्न आदतों का विकास हो जाता है, तो मन और शरीर पहले की भांति सामंजस्य के साथ कार्य नहीं करते हैं। एक बच्चे की तरह हमारा शरीर मन के नियंत्रण में होना चाहिए। शरीर केवल संवेदनाओं का एक पुंज है। संवेदनाओं को अपने से अलग करना आसान नहीं है, लेकिन हमें निरंतर इस चेतना में रहना चाहिए कि आत्मा के रूप में परमात्मा हमारे साथ हैं। जब मन, शरीर एवं उसकी मांगों के पूर्णतः अधीन होता है, जैसे कि अधिकतर लोगों के साथ होता है, तो मन को शरीर से अलग करने का अभ्यास करना चाहिए। आरंभ में धीरे-धीरे छोटी-छोटी वस्तुओं से मन को अलग करना उत्तम होता है। दिव्य चेतना में आपको यह अनुभव होता है कि आत्मा रूप में आपके कोई हाथ, पैर, आंखें अथवा कान नहीं हैं और न ही आपको इन शारीरिक अंगों की आवश्यकता है, फिर भी आप इन शारीरिक अंगों का उपयोग कर सकते हैं। केवल मानसिक शक्ति के द्वारा सुनना, देखना, सूंघना, चखना एवं स्पर्श करना संभव है। अनेक संत ईश्वर की वाणी अपने कानों से नहीं अपने मन से सुनते हैं। चेतना की ऐसी अवस्था काल्पनिक नहीं है, बल्कि एक वास्तविक अनुभव है। यह आपका अनुभव नहीं हो सकता, जब तक कि आप ध्यान न करें। यदि आप अत्यधिक भक्ति के साथ ध्यान करें, तो किसी दिन जब आपको इसकी तनिक-सी भी आशा नहीं होगी, आपको भी वही अनुभव होगा। ज्ञान एवं इच्छा तन एवं मन को नियंत्रित करती हैं। ज्ञान आत्मा का अंतज्ञार्नात्मक सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान है। युद्ध के समय लक्ष्य-दूरी मापक यंत्र को यह निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है कि गोला कहां दागना है।

## संपादकीय

# उजाले का पर्व, आत्मचिंतन का अवसर

भारत में दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व न केवल घरों और गलियों को रोशनी से आलोकित करता है, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन में छिपे अंधकार को भी प्रकाशमान करने का एक गहन अवसर प्रदान करता है। यह उस सनातन दर्शन का उत्सव है, जो हमें 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' (अंधकार से प्रकाश की ओर) का संदेश देता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्यताओं के अनुसार, दीपावली के दिन भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास समाप्त कर अयोध्या लौटे थे। नगरवासियों ने उनका स्वागत घी के दीप जलाकर किया था। यह परंपरा आज भी जीवंत है और प्रत्येक भारतीय के हृदय में रची-बसी है। किंतु दीपावली का महात्म्य केवल श्रीराम के आगमन तक सीमित नहीं है; यह धन और समृद्धि की देवी, माँ लक्ष्मी के पूजन का भी विशेष अवसर है। धनतेरस से लेकर भाई दूज तक, यह पंचदिवसीय उत्सव जीवन के विभिन्न पहलुओं—स्वास्थ्य, समृद्धि, और पारिवारिक संबंधों—को एक पवित्र सूत्र में पिरोता है। वर्तमान समय में दीपावली केवल धार्मिक उत्सव नहीं रही, बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों की धुरी भी बन चुकी है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इस पर्व का स्वरूप तेजी से बदला है। जहां पहले मिट्टी के दीयों की स्निग्ध रौशनी और पारंपरिक मिठाइयों की मिठास होती थी, अब वहां चकाचौंध वाले बिजली के झालर और कान फाड़ देने वाले तेज पटाखों की गूंज सुनाई देती है। उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ में हम इस त्योहार की मूल भावना और सादगी को कहीं न कहीं खोते जा रहे हैं। बाजारवाद के इस दबाव में, त्योहार का आध्यात्मिक और पारिवारिक पक्ष गौण हो गया है और प्रदर्शन की भावना हावी हो गई है। इसका सीधा असर न केवल हमारी जेब पर, बल्कि उन छोटे कुटीर उद्योगों पर भी पड़ा है जो पारंपरिक रूप से मिट्टी के दीये और हस्तनिर्मित सजावट का सामान बनाते थे। चीनी लाइटों की चकाचौंध ने इन कारीगरों की आजीविका पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पटाखों से निकलने वाला जहरीला धुआँ विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के रोगियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा करता है। यह स्वागत योग्य है कि हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा पटाखों पर नियंत्रण और ''ग्रीन क्रैकर्स'' को प्रोत्साहन देने की पहल की गई है। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम त्योहार की खुशियों में संतुलन बनाए रखें और वातावरण को हानि पहुंचाए बिना उल्लास मनाएं। हमारी प्राथमिकता सादगीपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल उत्सव होनी चाहिए। इन सबसे परे, दीपावली का पर्व आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का भी समय है। यह वह क्षण होता है जब हम अपने भीतर झांकते हैं, बीते वर्ष की उपलब्धियों और कमियों का मूल्यांकन करते हैं, और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# भेदभाव के अंधेरों को दूर करना जरूरी है

**भावना मेव**

राजस्थान के ग्रामीण अंचलों में जातिगत भेदभाव आज भी एक कड़वी सच्चाई है। यह केवल बस्तियों के भौगोलिक विभाजन तक सीमित नहीं, बल्कि रिश्तों, रोजगार और बच्चों के भविष्य तक में अपनी गहरी छाप छोड़ता है। सार्वजनिक स्थानों पर तिरस्कार, पानी के स्रोतों पर अलग व्यवहार और सामाजिक संवाद से बहिष्कार जैसी घटनाएँ व्यक्तिगत कटुता नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक संरचनात्मक असमानता का क्रूर प्रदर्शन हैं। इस भेदभाव का दायरा सामाजिक तिरस्कार से कहीं आगे तक फैला है। यह परिवारों को श्रम-आधारित सीमाओं, मजदूरी में पक्षपात और संसाधनों तक पहुँच में बाधाओं के रूप में आर्थिक रूप से भी पंगु बनाता है, जिससे उनकी प्रगति रुक जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़े भी इस गंभीर स्थिति की पुष्टि करते हैं, जो दशार्ते हैं कि राजस्थान में संबंधित अपराधों की दर्ज संख्या चिंताजनक स्तर पर है। यह इस बात का संकेत है कि समस्या गहरी और व्यापक है। स्कूलों में यह असमानता भले ही सूक्ष्म रूपों में दिखे, पर इसका प्रभाव विनाशकारी होता है। बच्चों का अलग बैठना, पेयजल के उपयोग में भेदभाव और शिक्षकों या सहपाठियों का तिरस्कारपूर्ण व्यवहार, ऐसे अनुभव बच्चों के आत्मसम्मान को कुचल देते हैं और उन्हें शिक्षा से दूर कर देते हैं। इसका सबसे गहरा आघात किशोरियों पर पड़ता है। जहाँ जातिगत भेदभाव और लैंगिक अपेक्षाएँ एक साथ मिलती हैं, वहाँ लड़कियों के लिए शिक्षा का मार्ग और भी संकरा हो जाता है। हिंसा का भय और सीमित संसाधन अक्सर माता-पिता को उन्हें स्कूल भेजने से रोकते हैं। यह अनुभव उनके आत्मविश्वास को तोड़ देता है और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी को सीमित कर देता है। यह आँकड़े याद दिलाते हैं कि यह केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक चुनौती है। यह स्पष्ट है कि सिर्फ कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। जमीनी स्तर पर नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन की संवेदनशीलता और सामुदायिक व्यवहार में बदलाव लाना अनिवार्य है। जब समाज का एक बड़ा हिस्सा अपमान और हिंसा झेलता है, तो पंचायतों और विद्यालय समितियों जैसे लोकतांत्रिक मंचों पर उनकी आवाज दब जाती है, जिससे न्यायसंगत नीतियाँ बनना असंभव हो जाता है। समाधान केवल दंडात्मक कार्रवाई में नहीं, बल्कि सामाजिक जड़ों में छिपा है। इसके लिए सामुदायिक संवाद, स्कूलों में समावेशी माहौल, और सभी के लिए पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं तक समान पहुँच सुनिश्चित करनी होगी। शिक्षक प्रशिक्षण को संवेदनशील बनाना और स्थानीय नेतृत्व को इस अभियान में शामिल करना बदलाव की कुंजी है। जब लोग मिलकर सार्वजनिक स्थानों और त्योहारों को साझा करते हैं, तब अलगाव की दीवारें स्वाभाविक रूप से गिरने लगती हैं। दिवाली के इस पावन अवसर पर यह चिंतन और भी आवश्यक हो जाता है। एक दीपक केवल भौतिक अंधकार को नहीं, बल्कि वैचारिक अंधकार को भी चुनौती देता है। इस पर्व की सार्थकता तभी है जब हम अपने गांवों, मोहल्लों और स्कूलों में एक ऐसा माहौल बनाएं, जहां हर व्यक्ति बिना किसी भय के अपनी बात कह सके। इस दिवाली, जब हम एक दीपक जलाएं, तो यह संकल्प भी लें कि यह रोशनी केवल हमारे घर तक सीमित न रहे, बल्कि समाज में व्याप्त भेदभाव के अंधेरों को भी दूर करे। सच्ची दीपावली तभी मनेगी, जब हर व्यक्ति को जाति की बेड़ियों से मुक्त होकर सम्मान और समानता के उजाले में जीने का अधिकार मिलेगा।

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. एम.एल. जैन 'मणि'- डॉ. शान्ति जैन 'मणि'
डॉ. मनीष जैन 'मणि'- डॉ. अलका जैन
रितु, डॉ. श्रेय एवं हार्दिक जैन
एक्बीशन किड्स एकेडमी परिवार- 9828088810

आप सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस, दीपावली,
भाईदूज की हार्दिक
शुभकामनाएं एवं बधाई
कमल सैनी
शिवम डिपार्टमेंटल स्टोर, मिंडा रोड, भैंसलाना, मो. 9085675358

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
संरक्षक
श्रीमती चंदा सेठी
अध्यक्ष
श्रीमती रेखा लुहाड़िया
मंत्री
श्रीमती रानी सौगानी
उपाध्यक्ष
श्रीमती रेणु पाण्ड्या
संयुक्त मंत्री
श्रीमती रितु चाँदवाड
कोषाध्यक्ष
श्रीमती वर्षा अजमेरा
सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती सीमा सेठी
सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती रेखा पाटनी
प्रचार-प्रसार मंत्री
श्रीमती मोना पांडवाड
आहारचर्या मंत्री
श्रीमती प्रेम देवी बाकलीवाल
आहारचर्या मंत्री
श्रीमती सुशीला काला
कार्यकारिणी सदस्य
श्रीमती छवि जैन
श्रीमती सुनीता पाटोदी
श्रीमती पुष्पा गंगवाल
श्रीमती रानी बोहरा
श्रीमती नीरू पाण्ड्या
श्रीमती संगीता काला
श्रीमती शिल्पी काला
श्रीमती प्रीती पाटनी
श्रीमती सुशीला कासलीवाल
श्रीमती सीमा बाकलीवाल
श्रीमती माया संगही
श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल
दुर्गापुरा, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
KUMKUM
PHOTOS
9829054966, 9829741147
Best Professional Wedding
Photographer In Jaipur
WWW.KUMKUMPHOTOSJAIPUR.COM

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
जे.के. जैन कालाडेरा
डॉ. करेश-अलीशा, विहान, आहान
पुनीत-निधी, युवान, आयरा
कालाडेरा, जयपुर, लंदन

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेश कासलीवाल
मीडिया प्रभारी
अखिल भारतवर्षीय दि. जैन परिषद राज. प्रांत

नीना कासलीवाल (पत्नी), प्रियांक-प्रियांशी कासलीवाल (पुत्र-पुत्रवधू)

18 -ए विश्वेशरिया नगर, त्रिवेणी रोड, जयपुर @ 9462191401

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

नीरज-रेखा जैन

महामंत्री - श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, मुरलीपुरा
सचिव - दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन, जयपुर
अध्यक्ष - दि. जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर
अध्यक्ष - राज. जैन युवा महासभा विद्याधर नगर जोन



भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

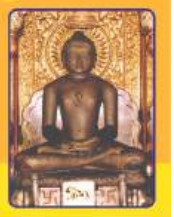

MPHF Rtn. Sudhir Jain
M.Com., LLB, JD

- Charter President & Trainer Rotary Club Jaipur Citizen
- President, international vaish mahasammeln jaipur central
- Founder President, Jain Citizen Foundation Trust
- F. President & Patron Lion Club Jaipur Diamond
- F. President, Jain Social Group Capital
- President: shridharam foundation.
- Dev. Officer, LIC of India, B.O.1, B.S. Road, Jaipur
- Brand ambassador : FORTI

A-1, Krishna nagar-II, Lal Kothi, Jaipur | 9829012639
Ph.: 0141-2744820, 4026130 | lionsudhirjain@gmail.com



भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेश-अनिता जैन
रूपक-शिप्रा जैन, अमायरा, अर्हम जैन
81/61 पटेल मार्ग मानसरोवर



Mahesh Kala 98292-20151
Dinesh Pareek 87695-45684 93144-80728

Mahesh Kala Associates
Real Estate Consultants

Office: M-1, Divya Mall, Lal Kothi, Tonk Road Jaipur-302015

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

महेश काला
अध्यक्ष: वीर सेवक मंडल
उपाध्यक्ष : फोर्टी
कोषाध्यक्ष: श्री दिगंबर जैन महावीर शिक्षा परिषद

Branch Office: Shop No. 2, Mahal Aangan, Mahal Road, Jaipur



भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

एम.एस.ज्वैलर्स

मुकेश सौगानी 98290-56224
मनोज सौगानी 97999-98984
मनन सौगानी 97999-98981

MS Jewellerys
265-266, johari bazar, jaipur-3

सभी प्रकार के चाँदी के बर्तन, जेवर एवं चाँदी के छत्र, सिंहासन, पाण्डुशिला, भामण्डल, पूजा के बर्तन, आरती, दीपक,
सभी प्रकार के जैन मन्दिर के आईटम एवं चाँदी,
तोंबे के सिक्के एवं चाँदी से निर्मित फर्नीचर के निर्माता एवं विक्रेता
mukeshsoganimsj@yahoo.co.in



भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष
डॉ. एम एल जैन 'मणि'
डॉ. शान्ति जैन 'मणि'

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर

सचिव: सुरेश-आभा गंगवाल
कोषाध्यक्ष: पारस मल जैन-मंजू देवी जैन
केन्द्रीय फेडरेशन निदेशक: डॉ. मनीष जैन 'मणि'
एवं समस्त तीर्थंकर ग्रुप सदस्य परिवार

# भगवान महावीर के 2552 वें निर्वाणोत्सव एवं निर्वाण लाडू महोत्सव पर

## दिगम्बर जैन मन्दिरों में होंगे विशेष आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** पूरे विश्व को 'जीओ और जीने दो ' का दिव्य संदेश देने वाले विश्व वन्दनीय जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2552 वां निर्वाणोत्सव एवं मोक्ष कल्याणक दिवस मंगलवार, 21 अक्टूबर को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर पूरे विश्व के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना एवं निर्वाण लाडू चढ़ाने के विशेष आयोजन होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि उत्तर पुराण में आचार्य गुणभद्र (7- 8 वीं शताब्दी) ने लिखा है कि 15 अक्टूबर,527 बीसीई कार्तिक कृष्णा अमावस्या स्वाति नक्षत्र के उदय होने पर भगवान महावीर ने सुप्रभात की शुभ बेला में अघातिया कर्मों को नष्ट कर निर्वाण प्राप्त किया था।उस समय दिव्यात्माओं ने महावीर प्रभू की पूजा की और अत्यंत दीप्तिमान जलती प्रदीप-पंक्तियों के प्रकाश में आकाश तक को प्रकाशित करती हुई पावां नगरी सुशोभित हुई। सम्राट श्रेणिक आदि नरेन्द्रों ने अपनी प्रजा के साथ निर्वाण उत्सव मनाया।उसी समय से प्रति वर्ष महावीर जैनेन्द्र के निर्वाण को अत्यंत भाव एवं श्रद्धा पूर्वक मनाया जाकर नैवेद्य (लाडू) से पूजा की जाती है। श्री जैन ने बताया कि इसका उल्लेख प्रसिद्ध जैन ग्रंथ हरिवंश पुराण में भी हैं। जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 256 वर्ष साढ़े तीन माह बाद महावीर का जन्म हुआ था।72 वर्ष की उम्र के अन्त में श्री शुभ मिती कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी के अन्त समय (अमावस्या के अत्यंत प्रातः काल) स्वाति नक्षत्र में मोक्ष लक्ष्मी को प्राप्त किया।उसी समय भगवान महावीर के प्रथम गणधर श्री गौतम स्वामी को केवल ज्ञान रुपी लक्ष्मी प्राप्त हुई और देवों ने रत्नमयी दीपकों का प्रकाश कर उत्सव मनाया। शहर के 250 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना एवं भगवान महावीर निर्वाणोत्सव के विशेष आयोजन होंगे। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक 21 अक्टूबर को भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस एवं 2552 वां निर्वाणोत्सव मनाया जावेगा।इस मौके पर चित्रकूट कालोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ, पदमपुरा के साधु सेवा तीर्थ में आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ,दहमीकला बगरुं में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय वृषभानन्द मुनिराज ससंघ, मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय उर्जयन्त सागर मुनिराज ,महारानी फार्म के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर मुनिराज ससंघ, प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में मुनि अरह सागर महाराज ,कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ, पार्श्वनाथ भवन में मुनि अर्चित सागर मुनिराज, पदमपुरा के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में मुनि मार्दव नन्दी महाराज, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ, दुगार्पुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ, चौमू बाग के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका नन्दीश्वर मति माताजी, अग्रवाल फार्म स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट में आर्यिका प्रशान्त नन्दिनी माताजी ससंघ के सानिध्य में विशेष आयोजन होगें तथा निर्वाण लाडू चढाया जाएगा। जैन के मुताबिक गोपालजी का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर कालाडेरा (महावीर स्वामी) में भगवान महावीर स्वामी की अतिशय कारी प्राचीन खडगासन प्रतिमा के समक्ष प्रातः 6.00 बजे तथा बाहर वेदी पर प्रातः 8.00 बजे निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। श्री जैन के मुताबिक सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, आचार्यो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरमोरियान, वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, सिद्धार्थ नगर में श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी खण्डाकार-सहित शहर के 250 से अधिक मंदिरों में पूजा अर्चना एवं निर्वाण लाडू चढ़ाने के विशेष आयोजन होगें। मंदिरों में निर्वाण काण्ड भाषा का सामूहिक उच्चारण एवं महावीराष्टक स्तोत्रम् का पाठ किया जाएगा। भगवान महावीर की महाआरती की जाएगी।

विनोद जैन कोटखावदा-प्रदेश महामंत्री

# अवधपुरी के श्री पद्मप्रभु जिनालय में सानंद संपन्न हुआ जन्म-तप कल्याणक महोत्सव

**आगरा. शाबाश इंडिया**

अवधपुरी के श्री पद्मप्रभु जिनालय में रविवार को कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के पावन अवसर पर पदमप्रभु जिनालय परिवार द्वारा भगवान पद्मप्रभु का जन्म-तप कल्याणक पर्व अत्यंत श्रद्धा,भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों की मधुर ध्वनि गूंज उठी। जिससे वातावरण पूर्णतः धार्मिक बना रहा। श्रीजी का मनोहारी अभिषेक, शांतिधारा और पंचामृत स्नान बड़ी भक्ति भावना से संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री पद्मप्रभु विधान का भव्य आयोजन भी किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विधान की पूजा-अर्चना संपन्न की। सभी ने पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित कर भगवान पद्मप्रभु से मंगल आशीर्वाद की कामना की। धर्मसभा में वक्ताओं ने भगवान पद्मप्रभु के जीवन आदर्शों सत्य, अहिंसा और संयम के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। आयोजन समिति ने बताया कि शाम को भव्य आरती और दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है और भक्तगण ''जय पद्मप्रभु भगवान की जय'' के उद्घोष के साथ भावविभोर नजर आए। इस मौके पर प्रवीन जैन पंडित विवेक जैन, इंद्र प्रकाश जैन, ओमप्रकाश जैन,रविंद्र जैन,नरेंद्र जैन अनिल जैन,शुभम जैन, धवल जैन निकित जैन,करुणा जैन, गीता जैन,हेमलता जैन,बीना जैन, रिंकी जैन,समस्त अवधपुरी परिवार के सदस्य मौजूद रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**


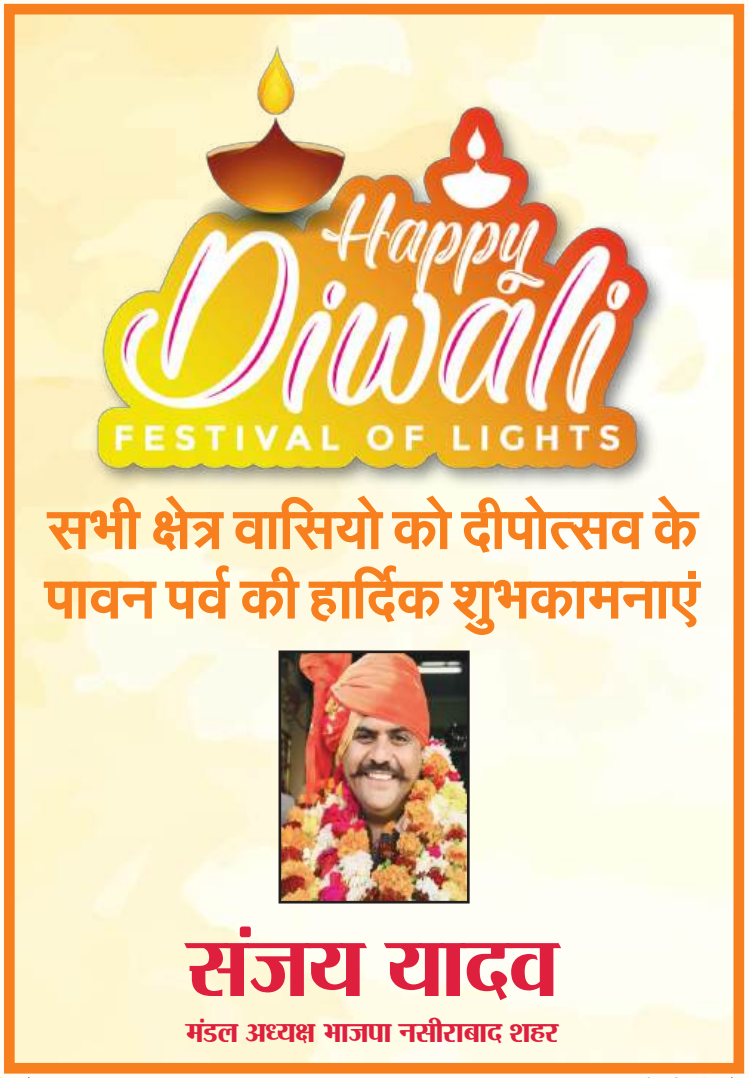

# इंदौर शहर के सभी मंदिरों में अभिषेक-पूजा पाठ के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा, रात्रि को महा आरती भी होगी

## भगवान महावीर स्वामी का 2552 वां निर्वाण कल्याणक महोत्सव मंगलवार, 21 अक्टूबर को

**इंदौर. शाबाश इंडिया।** वर्तमान शासन नायक, 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2552 वां निर्वाण महोत्सव मंगलवार, 21 अक्टूबर को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि इस दिन शहर के सभी जैन मंदिरों में प्रातः अभिषेक, शांति धारा, नित्य नियम पूजा, भगवान महावीर स्वामी की पूजन, निर्वाण कांड के बाद अत्यंत भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। भगवान महावीर स्वामी ने धर्म का प्रचार प्रसार कर लोगों को सद् मार्ग पर लगाने के लिए सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य का पालन तथा जियो और जीने दो का संदेश दिया। सतीश जैन ने बताया कि बाल ब्रह्मचारी अनिल भैयाजी के अनुसार मंगलवार को ग्रह पूजन का सही वक्त दोपहर 12 से 1.30 बजे तक का है। जैन आचार्यों के मतानुसार भगवान महावीर स्वामी योग निरोध करने पावापुरी गए थे और कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन मोक्ष प्राप्त करके सिद्ध अवस्था को प्राप्त हुए थे और उसी दिन संध्या को गौतम गणधर को मोक्ष प्राप्त हुआ इसीलिए दीपावली मनाई जाती है और प्रत्येक घर में दीपक जलाए जाते हैं व शाम को महा आरती भी की जाती है। समाज श्रेष्ठी श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, एम के जैन, सुशील पांड्या, मनोहर झांझरी, अमित कासलीवाल, सतीश जैन, राकेश विनायका ने सभी समाज जनों से सभी कार्यक्रमों में शामिल होकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है। **-सतीश जैन (इला. बैंक) प्रचार प्रमुख**


## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

**सम्पादकः राकेश जैन गोदिका**
**@ 94140 78380, 92140 78380**

**दैनिक ई-पेपर**
**शाबाश इंडिया**
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com


# कार्तिक सुद तेरस तिथि प्रभो लियो अवतार...

## जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया, जैन मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन धर्म के छठें तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस जैन बन्धुओं द्वारा रविवार, 19 अक्टूबर को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः भगवान पदमप्रभू के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक, शांतिधारा के बाद अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई । पूजा के दौरान भगवान पदमप्रभू का जन्म कल्याणक श्लोक कार्तिक सुद तेरस तिथि, प्रभो लियो अवतार। देवों ने पूजा करी, हुआ मंगलाचार।। का उच्चारण करते हुए जयकारों के साथ जन्म कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात तप कल्याणक श्लोक कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी, तृणवत बन्धन तोड़। तप धार्यो भगवान ने, मोह कर्म को मोड़।। का उच्चारण करते हुए जयकारों के साथ तप कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। भगवान पदमप्रभू की महाआरती के बाद समापन हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाडा)में मुनि मार्दव नन्दी महाराज के सानिध्य में अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन दौसा, मानद मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी एवं कोषाध्यक्ष राज कुमार कोठ्यारी के नेतृत्व में प्रातः 6.45 बजे से मूलनायक भगवान पद्मप्रभ का महामस्तकाभिषेक किया गया। तत्पश्चात विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए महाशांतिधारा की गई। भगवान पद्मप्रभ की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान जन्म एवं तप कल्याणक अर्घ्य चढाये गये। श्री जैन के मुताबिक पदमपुरा के साधु सेवा तीर्थ में आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ के सानिध्य में विशेष आयोजन किए गए। श्री जैन के मुताबिक दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नेवटा, आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, सांगानेर के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, जनकपुरी, तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, शांतिनाथ जी की खोह स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मंगलवार, 21 अक्टूबर को भगवान महावीर का 2552 वां निर्वाणोत्सव एवं मोक्ष कल्याणक दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री जैन के मुताबिक गुरुवार, 23 अक्टूबर को जैन धर्म के नवें तीर्थंकर भगवान पुष्प दंत नाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव तथा सोमवार, 27 अक्टूबर को जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये जाएंगे।

**-विनोद जैन कोटखावदा**

# अपरिग्रहवादी जैन धर्म में लक्ष्मी पूजा के नाम पर रुपए-पैसों की पूजा नहीं होती

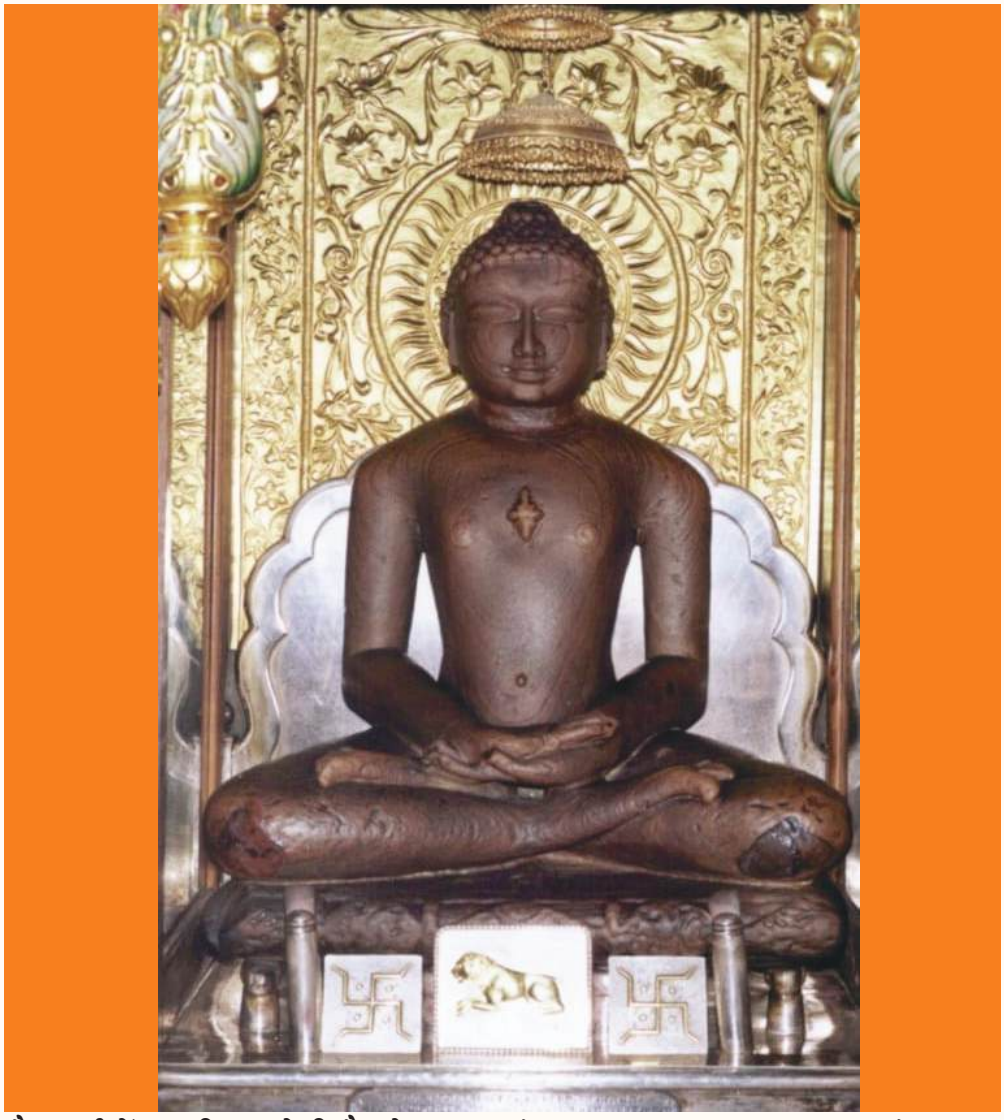

## जैन धर्म में लक्ष्मी वह देवी है जो 'मोक्ष' का प्रतिनिधित्व करती है

**ततस्तु : लोक : प्रतिवर्षमादरत प्रसिद्धदीपलिकयात्र भारते समुद्यत : पूजयितुं जिनेश्वरं जिनेन्द्र-निर्वाण विभूति-भक्तिभाक।। -हरिवंश पुराण**

भगवान महावीर को मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति हुई और गौतम गणधर को कैवल्यज्ञान की सरस्वती की प्राप्ति हुई, इसलिए जैन धर्मावलंबियों द्वारा लक्ष्मी-सरस्वती की पूजन दीपावली के दिन की जाती है। लक्ष्मी पूजा के नाम पर रुपए-पैसों की पूजा जैन धर्म में स्वीकृत नहीं है, यह धर्म तो अपरिग्रहवाद का धर्म है। इस वर्ष जैन धर्मावलंबी दिवाली पूजन 21 अक्टूबर मंगलवार को करेंगे तथा उसी दिन तीर्थंकर महावीर के निवाणोत्सव का निर्वाण लाडू समर्पित करेंगे। जैन धर्म में दीपावली के दिन अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर प्रातःकाल निर्वाण की प्राप्ति और उनके प्रमुख शिष्य गौतम गणधर को संध्या के समय परम बोधि कैवल्यज्ञान की प्राप्ति हुई। ज्ञान ज्योति का प्रतीक है जो स्वयं भी प्रकाशित होता है और दूसरों को भी प्रकाशित करता है। उसी के प्रतीक स्वरूप दीपावली पर्व मनाया जाता है। जैन धर्म में, लक्ष्मी का अर्थ केवल धन और भौतिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक आंतरिक शक्ति और पुण्य के फल का प्रतीक है, जो अहिंसा, सत्य और अन्य जैन सिद्धांतों के पालन से प्राप्त होता है। यह देवी के रूप में भी पूजी जाती है, जो 'मोक्ष' का प्रतिनिधित्व करती है, जो जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति है। जैन ग्रंथों में, लक्ष्मी की संपत्ति को ''पुण्य कर्मों'' का फल माना जाता है जो व्यक्ति के धर्मनिष्ठ जीवन में स्थिरता पाती है।

## पुण्य और धर्म

जैन दृष्टिकोण में, संपत्ति (लक्ष्मी) किसी व्यक्ति की देवी नहीं है, बल्कि किए गए पुण्य कर्मों का फल है। यह वहां टिकती है जहाँ अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और अन्य नैतिक मूल्यों का पालन किया जाता है। लक्ष्मी के प्रतीकात्मक महत्व को मोक्ष से जोड़ा गया है, जो जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति है। लक्ष्मी के चार हाथ चार पुरुषार्थों (धर्म, काम, अर्थ, और मोक्ष) का प्रतीक हैं।

**जैन धर्म के ग्रंथों में आचार्यों ने लक्ष्मी को निर्वाण का प्रतीक बताया है:-**

**तं मानतुंगमवश समुपैति लक्ष्मी - भक्तामर स्तोत्र**

जैन धर्म के प्रसिद्ध स्तोत्र भक्तामर के अंतिम (48 वें) श्लोक 'मनोवांछित सिद्धिदायक काव्य' में आचार्य मानतुंग ने मोक्ष रूपी लक्ष्मी का वरण करने का भाव इस प्रकार व्यक्त किया है :-

धत्ते जनो य इह कण्ठ-गतामजसं,
तं मानतुंगमवश समुपैति लक्ष्मीः

**तन्निवासिन्यो देव्यः श्री-ह्री-धृति-कीर्ति-बुद्धि-लक्ष्म्यः पल्योपमस्थितयः ससामानिक-परिषत्का ॥19॥-तत्वार्थ सूत्र**

तत्त्वार्थ सूत्र, जो कि एक महत्वपूर्ण जैन ग्रंथ है, में लक्ष्मी का उल्लेख पाँच अन्य देवियों के साथ मिलता है। यह उल्लेख विशेष रूप से ग्रंथ के तीसरे अध्याय में आता है, जहाँ जैन ब्रह्मांड के मध्यलोक का वर्णन किया गया है प्रतीकात्मक अर्थ में लक्ष्मी को धन और समृद्धि का केवल प्रतीक माना जाता है।

**मोक्ष-लक्ष्मी-निकेतनं - पूजा प्रारंभ पाठ**

नित्य जिन पूजा प्रारंभ करते समय सर्व प्रथम पंचपरमेष्ठी का वन्दन किया जाता है ।इस वंदन में सिद्धों की आराधना में अष्ट कर्मों का नाश कर मोक्ष रूपी लक्ष्मी की प्राप्ति का ज़िक्र निम्न अनुसार किया गया है :-

**कर्माष्टक-विनिर्मुक्तं मोक्ष-लक्ष्मी-निकेतनं।**
**सम्यक्त्वादि-गुणोपेतं सिद्धचक्रं नमाम्यहं।।**

इष्टोपदेश जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जिसमें आचार्य पूज्यपाद स्वामी ने लक्ष्मी (धन/सम्पत्ति) के प्रति सही दृष्टिकोण का उपदेश दिया है। जैन दर्शन के अनुसार, लक्ष्मी को आत्मा की शुद्धता और मुक्ति के मार्ग में बाधा के रूप में माना है ।

**रयणसार में लक्ष्मी का दार्शनिक अर्थ**

जैन ग्रंथ 'रयणसार' में लक्ष्मी का उल्लेख भौतिक संपत्ति या धन की देवी के रूप में नहीं, बल्कि जैन धर्म की शिक्षाओं के संदर्भ में किया गया है। सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र को ही वास्तविक लक्ष्मी या आत्मिक संपत्ति माना गया है। ह्यरयणसार' ग्रंथ में आचार्य कुन्दकुन्द ने भौतिक लक्ष्मी (धन-धान्य) और आत्मिक लक्ष्मी के बीच के अंतर को स्पष्ट किया है:

जैन ग्रंथ 'समयसार में 'लक्ष्मी' शब्द का प्रयोग आत्मिक संपदा या आत्मा के गुणों के लिए किया गया है, न कि भौतिक धन-संपत्ति के लिए। यह ग्रंथ आत्मा के शुद्ध स्वरूप और मोक्ष के मार्ग की व्याख्या करता है।

लक्ष्मी - अर्थात जो लक्ष्य को प्राप्त कराये निर्वाण लक्ष्मी रते इस प्रकार जो लक्ष्य को प्राप्त कराए , उसे लक्ष्मी कहते हैं। लक्ष्य अंतिम है। जैसे दूध से घी की प्राप्ति यही दूध का अंतिम लक्ष्य है। वैसे ही मानव जीवन का लक्ष्य मोक्ष है। मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति ही मानव जीवन का सार है

निर्वाण लक्ष्मी रते

**पदम जैन बिलाला: अध्यक्ष**
**राजस्थान जैन साहित्य परिषद, जयपुर**

# 'जिओ और जीने दो'

हिंसा के अवतार, युगद्दष्टा भगवान महावीर का 2624वाँ जन्मोत्सव हमने चैत्र शुक्ल 13, (दिनांक 10 अप्रैल 2025, दिन गुरुवार) को मनाया। अब हम भगवान महावीर का 2552वाँ निर्वाणोत्सव कार्तिक कृष्णा अमावस्या (21 अक्टूबर 2025, मंगलवार) को मना रहे हैं। भगवान महावीर केवल एक युग पुरुष या महामानव नहीं, बल्कि एक संपूर्ण आध्यात्मिक क्रांति के प्रणेता थे। वे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद, उन्होंने शस्त्रों से विश्व विजय का सपना कभी नहीं देखा; उन्होंने आत्म-विजय और समस्त प्राणियों की करुणा का मार्ग चुना। जिस कालखंड में भगवान महावीर का अवतरण हुआ, वह घोर अशांति का युग था। समाज में हिंसा, पाखंड और अत्याचार का बोलबाला था। यज्ञों के नाम पर निरीह पशुओं की बलि दी जाती थी और वैचारिक कट्टरता चरम पर थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में, महावीर ने दुनिया को आत्म-कल्याण और सर्व-कल्याण का सच्चा मार्ग दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिए 'जिओ और जीने दो' का वह अमूल्य मंत्र दिया, जो आज सदियाँ बीत जाने के बाद भी मानवता के लिए सबसे प्रासंगिक प्रकाश स्तंभ बना हुआ है। वर्तमान में, भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव के अवसर पर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो पाते हैं कि विगत कुछ वर्ष कितने भयावह रहे हैं। सारी दुनिया कोरोना जैसी महामारी से पीड़ित रही। ऐसी मान्यता है और आरोप भी लगते रहे कि चीन में आम आदमी ने अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने के लिए जहरीले जीव-जंतुओं का बेरहमी से भक्षण किया, जिससे इस महामारी का शुभारंभ हुआ और यह सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। इस विभीषिका के दौरान विश्व भर से एक ही आवाज उठी–हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारियों से बचा जा सकता है। इस महामारी ने सिद्ध कर दिया कि भगवान महावीर का अहिंसा और शाकाहार का सिद्धांत केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और पारिस्थितिक रूप से भी अनिवार्य है। यह शाकाहारी समाज के लिए एक सुखद संदेश है कि कोरोना संकट के बाद दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ रहने के लिए मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। यह महावीर के 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' (सभी जीव परस्पर एक-दूसरे पर उपकार करते हैं) के सिद्धांत की पुष्टि है। विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। उनके इसी अहिंसा के सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना और इसे 'सत्याग्रह' के रूप में राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली अस्त्र बना दिया। हमारे भारत की विदेश नीति का आधार भी यही दर्शन रहा है कि किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान (आधुनिक पाकिस्तान) से युद्ध जीतकर भी उसकी भूमि पर कब्जा नहीं किया, बल्कि पूर्वी पाकिस्तान को मुक्त कराकर एक स्वतंत्र 'बांग्लादेश' की स्थापना में मदद की। यह महावीर की करुणा का ही एक रूप था। भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, ''पाप से घृणा करो, न कि पापी से।'' उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं, वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। यह सिद्धांत आज की 'कैंसल कल्चर' और ध्रुवीकृत दुनिया के लिए एक औषधि है। भगवान महावीर ने दुनिया को केवल अहिंसा ही नहीं, बल्कि सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पंचशील पावन संदेश दिया। इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने कहा–आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं: काम, क्रोध, लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी शांति या सद्कार्य नहीं कर पाता। स्व-कल्याण के लिए इन कषायों पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। आज के संदर्भ में, 'अपरिग्रह' का सिद्धांत शायद 'अहिंसा' जितना ही महत्वपूर्ण है। आज दुनिया जिस अनियंत्रित उपभोक्तावाद, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के असमान वितरण के संकट से जूझ रही है, उसका मूल कारण 'लोभ' और 'परिग्रह' ही है। महावीर का 'अपरिग्रह' का संदेश हमें न्यूनतम आवश्यकताओं के साथ जीने और प्रकृति का शोषण बंद करने की प्रेरणा देता है। विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करने पर हम पाते हैं कि वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना सुनने आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति घोर अन्याय है। वह 'जैन' नहीं, 'जिन' थे। 'जिन' वह कहलाता है जो इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेता है। किसी का भी कल्याण 'जैन' बनकर नहीं, 'जिन' बनकर ही हो सकता है। युग दृष्टा, अहिंसा और करुणा के प्रेरक भगवान महावीर के 2552वें निर्वाणोत्सव के इस पुनीत अवसर पर हमें गहन चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व का संकट, विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद और विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए भगवान महावीर के सिद्धांत ही एकमात्र उपाय हैं। दुनिया में यदि स्थायी सुख और शांति की स्थापना करनी है, तो हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं, वरन अपनी जान की बाजी लगाकर भी दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाववाद, साम्राज्यवाद और तानाशाही से यह विश्व मुक्त हो, इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुसरण करने में ही हम सबका कल्याण है। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निर्वाणोत्सव मनाकर हम केवल औपचारिकता ही पूरी कर रहे हैं। आज आवश्यकता उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर एक कदम चलने की है। भगवान महावीर के उपदेश के सार को जैन धर्म की 'मेरी भावना' नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थकता प्रदान करती हैं: मैत्री भाव जगत में मेरा, सब जीवों से नित्य रहे, दीन दुखी जीवों पर मेरे, उर से करुणा स्त्रोत बहे।

## वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा

महावीर के सिद्धांत प्राणिमात्र के लिए हितकारी हैं। विडंबना यह है कि आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है। नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति के सतही अनुकरण को ही आधुनिकता मान बैठी है। जब समाज का नेतृत्व करने वाले ही पतन के मार्ग पर चलने लगें, तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा? क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने अपने कड़वे प्रवचनों में सटीक कहा था कि भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकालकर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर के जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

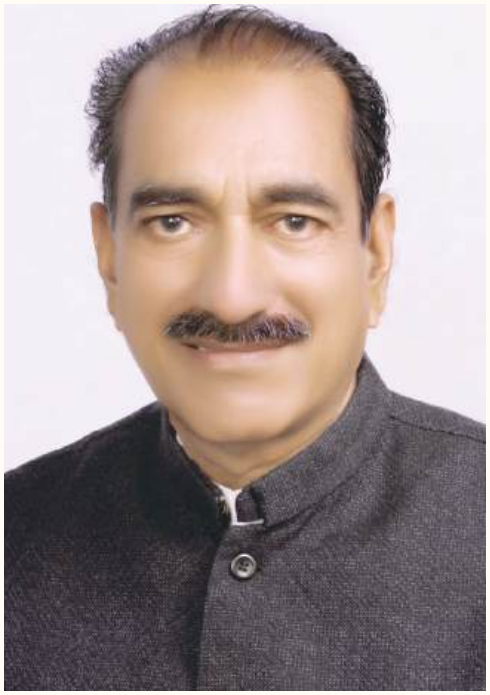

**विजय कुमार जैन**
**(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक हैं)**

# मानव की नाभि कुदरत की एक अद्भुत कृति है

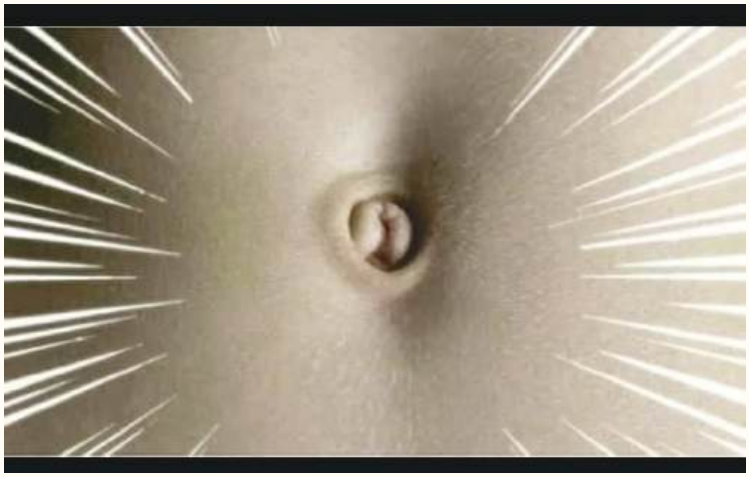

एक 65 वर्ष के व्यक्ति को अचानक दाईं आँख से कम दिखना शुरू हो गया। खासकर रात को नजर न के बराबर होने लगी।जाँच करने से यह निष्कर्ष निकला कि उनकी आँखे ठीक है परंतु दाईं आँख की रक्त नलीयाँ सूख रही है। रिपोर्ट में यह सामने आया कि अब वो जीवन भर देख नहीं पायेंगे।मित्रों हमारा शरीर परमात्मा की अद्भुत देन है...गर्भ की उत्पत्ति नाभि के पीछे होती है और उसको माता के साथ जुडी हुई नाडी से पोषण मिलता है और इसलिए मृत्यु के तीन घंटे तक नाभि में हल्की गर्मी रहती है।गर्भधारण के नौ महीनों अर्थात 270 दिन बाद एक सम्पूर्ण बाल स्वरूप बनता है। नाभि के द्वारा सभी नसों का जुडाव गर्भ के साथ होता है। इसलिए नाभी एक अद्भुत भाग है। नाभि के पीछे की ओर पेचूटी या navel button होता है जिसमें 72900 से भी अधिक रक्त धमनियां स्थित होती है,नाभि में देशी गाय का शुध्द घी या तेल लगाने से बहुत सारी शारीरिक दुर्बलता का उपाय हो सकता है।

**1.** आँखों का शुष्क हो जाना, नजर कमजोर हो जाना, चमकदार त्वचा और बालों के लिये उपाय...सोने से पहले 3 से 7 बूँदें शुध्द देशी गाय का घी और नारियल के तेल नाभी में डालें और नाभी के आसपास डेढ ईंच गोलाई में फैला देवें। **2.** घुटने के दर्द में उपायसोने से पहले तीन से सात बूंद अरंडी का तेल नाभी में डालें और उसके आसपास डेढ ईंच में फैला देवें। **3.** शरीर में कमपन्न तथा जोड़ों में दर्द और शुष्क त्वचा के लिए उपाय :-रात को सोने से पहले तीन से सात बूंद राई या सरसों कि तेल नाभी में डालें और उसके चारों ओर डेढ ईंच में फैला देवें। **4.** मुँह और गाल पर होने वाले पिम्पल के लिए उपायः-नीम का तेल तीन से सात बूंद नाभी में उपरोक्त तरीके से डालें।

नाभी में तेल डालने का कारणहमारी नाभी को मालूम रहता है कि हमारी कौनसी रक्तवाहिनी सूख रही है,इसलिए वो उसी धमनी में तेल का प्रवाह कर देती है। जब बालक छोटा होता है और उसका पेट दुखता है तब हम हिंग और पानी या तैल का मिश्रण उसके पेट और नाभी के आसपास लगाते थे और उसका दर्द तुरंत गायब हो जाता था। बस यही काम है तेल का। अपने स्नेहीजनों, मित्रों और परिजनों में इस नाभी में तेल और घी डालने के उपयोग और फायदों को शेयर ज़रूर करिये।लाभ उपाय करने से होता है, केवल पढ़ने से नहीं। **-डा पीयूष त्रिवेदी जयपुर**

# श्री पदम प्रभु भगवान का जन्म-तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया**

बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्री पदम प्रभु भगवान का जन्म- तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः कल्पना सोगानी ने 108 रिद्धि मंत्रों का वाचन करते श्री पदम प्रभु भगवान सहित सभी प्रतिमाओं पर श्रावकों ने महामस्तकाभिषेक किया। बाद में अशोक कुमार, विनोद पाटोदी एवं राजेंद्र सोगानी परिवार ने पदम प्रभु भगवान, राकेश बघेरवाल ने आदिनाथ भगवान, लक्ष्मीकांत जैन ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी श्रावकों ने शांतिधारा की। श्रावक-श्राविकाओं ने पूजा-अर्चना कर अर्ग समर्पण किए। इस अवसर पर कई धमार्लुगण उपस्थित थे। **प्रकाश पाटनीः प्रचार एवं संगठन मंत्री**

## छठे तीर्थंकर पदम प्रभ भगवान का मनाया जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

## जैन धर्मालम्बियों का नया साल वीर निर्वाण सम्वत 2552 का कार्तिक शुक्ला एकम 22 अक्टूबर से होगा शुभारम्भ

**फागी. शाबाश इंडिया।** कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के छठे तीर्थंकर पदमप्रभ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्ल्लास पूर्वक मनाया , कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कस्बे के चंद्रपुरी जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक, सामूहिक रूप से शांतिधारा करने बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर जैन धर्म के छठे तीर्थंकर देवाधिदेव पदमप्रभ भगवान का जयकारों के साथ जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई, कार्यक्रम में आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य सुन्दर सागर महाराज, आर्यिका श्रुत मति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी, एवं जिनवाणी माता सहित विभिन्न पूवार्चार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर विश्व में शांति की कामना की गई। कार्यक्रम में समाज की मुन्नी अजमेरा एवं मैना झंडा एवं ने संयुक्त रूप से बताया कि पदम प्रभ भगवान अवसर्पिणी काल के छठे तीर्थंकर थे, उनका जन्म कौशांबी नगरी में हुआ था ।उनके पिता का नाम श्रीधर धरण राज एवं माता का नाम सुसीमा था, उनका प्रतीक चिन्ह कमल है, उन्होंने भोगों से विरक्त होकर पिहितास्त्रव जिनेंद्र के पास दीक्षा धारण कर बहुत काल तक धर्म का प्रचार किया तथा सभी कर्मों का नाश कर केवलज्ञान प्राप्तकिया फिर मोक्ष प्राप्त करके सिद्ध हुए, इसी कड़ी में मंदिर समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार झंडा एवं मंदिर समिति के अशोक नला ने बताया कि जैन धर्मावलम्बियों का नया साल वीर निर्वाण सम्वत 2552 का कार्तिक शुक्ला एकम बुधवार 22 अक्टूबर को शुभारम्भ होगा, उन्होंने बताया कि इससे पूर्व कार्तिक कृष्णा अमावस्या मंगलवार 21 अक्टूबर को भक्ति भाव से भगवान महावीर का 2552 वां निवाणोत्सव का लाडू चढाया जायेगा तथा वीर निर्वाण संवत 2551 का समापन होगा, तथा इसी दिन दिगम्बर जैन आचार्यों, मुनि, आर्यिकाओं, क्षुल्लक, क्षुल्लिकाओं के चातुर्मास का निष्ठापन एवं वर्षा योग का समापन होगा। 21 अक्टूबर को ही आचार्य भरत सागर महाराज का समाधि दिवस एवं सांयकाल भगवान महावीर के प्रथम गणधर गौतम स्वामी का केवल ज्ञान दिवस मनाया जाएगा।कार्यक्रम में चंद्रपुरी समाज के संरक्षक चंपालाल जैन, मंदिर समिति के अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा , सुरेश गंगवाल, बाबूलाल पहाड़िया, सुनील गंगवाल, अशोक नला, पवन गंगवाल, सुनील गंगवाल,सुनील बजाज, विनोद नला,नरेंद्र झंडा, टिंकू झंडा ,राजाबाबू गोधा तथा महिला मंडल की गीता नला, संतरा बजाज, मुन्नी अजमेरा, मैंना झंडा, मैंना नला, बरखा गंगवाल , रेखा गंगवाल, रेखा बजाज ,रेखा झंडा,शोभा पहाड़िया, किरण पहाड़िया, गुड़िया पहाड़िया सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।

**राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान**

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रकाश चन्द चांदवाड़
मनोरमा जैन चांदवाड़
अध्यक्षः-
श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, दुर्गापुरा, जयपुर,
निवासः- 84 चन्द्रकला कॉलोनी, दुर्गापुरा, जयपुर
मो. 9352584137

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

आर. बडजात्या केटर्स
Mouth Watering Taste and High Class Catering for your memorable event.
Birthday, Engagement, Anniversary, Wedding, Mehendi, Haldi, Get-Together
एस-9, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
मो. 9785074581, 9887866995, 8952843828

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश चंद्र-सुमति देवी
यश कमल-संगीता
विभोर-आयुशी अजमेरा

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
संजय-सपना
आहना, अनीशा, अरिन
एवं समस्त छाबड़ा परिवार
आवां वाले, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

संरक्षक
महिला मंडल दुर्गापुरा
संस्थापक अध्यक्ष
त्रिशला संभाग दुर्गापुरा
समन्वयक, टोंक रोड,
राजस्थान जैन युवा महासभा
प्रभारी, दुर्गापुरा
भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा

राजकुमार-चंदा सेठी
प्लाट नं. 91, श्री जी नगर,
दुर्गापुरा, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

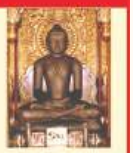

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार



मोहनलाल गंगवाल
अध्यक्ष



विजय कुमार पांड्या
सचिव

सुरेश जैन बांदीकुई
कार्याध्यक्ष

कैलाश सेठी
कोषाध्यक्ष

संरक्षक
सतीश कुमार बाकलीवाल,
निहालचंद सोगानी,
विजय कुमार दीवान,
प्रो. आई.पी.जैन,
डॉ. सुनील कुमार जैन
सुभाष सेठी
पदम चन्द खजांची

पर्यटन मंत्री
अनिल कुमार गोधा

उपाध्यक्ष
धर्म चन्द जैन
(निवाई वाले),
सुरेंद्र कुमार गोधा

पूर्व अध्यक्ष
महावीर बाकलीवाल

मुख्य परामर्शक
चन्द कांता छाबड़ा

सलाहकार
कुन्दन मल जैन सोनी,
नरेंद्र कुमार पाटनी

खाद्य मंत्री
संतोष कुमार जैन
ज्ञान चन्द जैन
प्रेमचंद गंगवाल

प्रचार मंत्री
प्रेमलता सेठी

मुख्य समन्वयक
शशी सेन जैन

संगठन मंत्री
नरेन्द्र कुमार जैन
ज्ञानचंद गंगवाल

सह कोषाध्यक्ष
अजीत कुमार जैन

धार्मिक मंत्री
पूरणमल अनोपड़ा
डॉ. सुशीला जैन टोंग्या
नरेन्द्र कुमार बाकलीवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजेन्द्र बाकलीवाल (बस्सी वाले)
अरुण कुमार जैन

संचालक गण
सुशीला त्यागी
रतन सोगानी
निर्मला रारा
मन्जू पुरी
कुसुम लता बज

सांस्कृतिक मंत्री
कौशल्या जैन
सुलोचना पाटनी
राज कुमारी सोगानी
अलका जैन

एवं समस्त दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार परिवार

# ''आओ खुशियां बांटे'' 90 व्यक्तियों को सेवा देकर दीपावली पर्व की शुभकामना प्रेषित की

**अजमेर. शाबाश इंडिया**

प्रांतीय प्रमुख कार्यक्रम आओ खुशियां बाटे के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा तीर्थराज पुष्कर के पास का गांव सूरजकुंड के वेस्टर्न चौराहा एवं ड्रबन होटल के आस पास बसी झोपड़ियों में रह कर जीवन यापन कर रहे ग्रामीणजन को नए वस्त्र के साथ मिष्ठान की सेवा भेंट कर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में एवं समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल के साथ अन्य भामाशाहों के सहयोग से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य गिरधारी सेन,हरिकिशन सेन के अलावा स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता रामसिंह,रघुनाथ सिंह के द्वारा वितरण के कार्य में सहयोग से जरूरतमंद परिवार तक खुशियों पहुंचाई गई।

# भगवान महावीर स्वामी का विधान मंडल आयोजित

## इंद्र इंद्राणियों ने बड़े भक्ति भाव से पूजा अर्चना की

**टोंक. शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में रविवार को प्रातःकाल अभिषेक शांतिधारा के पश्चात परम पूज्य वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी का विधान मंडल आयोजित किया गया। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान और विकास जागीरदार ने बताया की भगवान महावीर स्वामी के विधान में इंद्र इंद्राणी ने भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना करके बड़े भक्ति भाव से मीठे मीठे भजनों के साथ इंद्र और इंद्राणियों ने श्रीफल के नारियल अर्घ्य समर्पित की है इस मौके पर समाज के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया महामंत्री धर्मेंद्र पासरोटियां कमल सर्राफ एवं अनेक महिलाएं उपस्थित समाज के प्रवक्ता पवन कंटान राजेश पंचोलिया ने बताया कि मंगलवार को प्रातः काल 8:30 बजे भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक महापर्व पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा एवं दोपहर महिलाओं के द्वारा रंगोलीऔर शाम को दीपको से नसिया परिसर जगमग होगा।

# धनतेरस नहीं धन्यतेरस का पर्व है आजः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

धनतेरस का नहीं आज धन्यतेरस या ध्यान तेरस का पर्व है। यह बात गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दानिश कुंज भोपाल में उपस्थित भक्त समूह से कहीं। माताजी ने आगे बताया कि भगवान महावीर इस दिन तीसरे और चौथे ध्यान में जाने के लिये योग निरोध के लिये चले गये थे। तीन दिन के ध्यान के बाद योग निरोध करते हुये दीपावली के दिन निर्वाण को प्राप्त हुये। तभी से यह दिन धन्य तेरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। धनतेरस केवल भौतिक समृद्धि का नहीं, आध्यात्मिक उत्थान का पर्व है । इस दिन धार्मिक ग्रंथों व ज्ञान की पूजा के साथ दान-परोपकार का विशेष महत्व है। यह दिन सिखाता है कि धन का सही उपयोग और दूसरों की सेवा ही सच्ची समृद्धि लाती है। हम वर्षों से धनतेरस मनाते आ रहें हैं आज हमें धन्यतेरस मनाना है। भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाना है । भगवान महावीर की तरह अपनी विभूति का त्याग कर निर्वाण पद को पाना है। आप भी धनतेरस नहीं , धन्यतेरस मनायें । जोड़ें नहीं त्यागे ताकि वीर के अनुयायी कहलाये। पूज्य माताजी की आहारचर्या करवाने का सौभाग्य डॉ. संतोष जी जैन सपरिवार ने प्राप्त किया। 20 अक्टुम्बर 2025 को माताजी ससंघ की चातुर्मास निष्ठापन क्रिया सम्पन्न होगी।

# देश के पूर्व गृह मंत्री श्री सेठी की 105 वी जन्म जयंती पर याद किया

## भारतीय राजनीति में ईमानदारी, कर्मठता, कुशल प्रशासक के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। भारतीय राजनीति में निष्ठा , समर्पण व ईमानदार राजनीति के सशक्त हस्ताक्षर रहे देश के पूर्व गृह मंत्री व मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री प्रकाशचन्द जी सेठी की 105 वी जन्मजयंती पर सेठी विचार मंच एवम दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद द्वारा संयुक्त रूप से सेठी हॉस्पिटल स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्री सेठी के कार्यों को याद किया गया । वक्ताओं ने कहा की सेठी जी ने अपना पूरा जीवन जन सेवा में ईमानदारी के साथ समर्पित किया । उनका लंबा राजनीतिक सफर अंतिम समय तक नैतिक मूल्यों, स्वच्छ राजनीति और आदर्शों पर कायम रहा। नेहरू मंत्रिमंडल से ले कर राजीव गांधी जी के मंत्रिमंडल तक अनेकों उच्च पदों पर रहकर भी अपने आपको ईमानदार बनाए रखा । काजल की कोठरी में भी अंत तक श्वेत रहे । देश में उनकी ईमानदारी की मिसाल स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिलीप राजपाल, अर्चना जायसवाल, विनय बाकलीवाल, कैलाश वेद,संजय जैन, मनीष अजमेरा, संजय बाकलीवाल, निर्मल कासलीवाल ,आनंद कासलीवाल, इश्तेहाक सोलंकी, कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव, निलेश सेन ,दिलीप ठक्कर, अमन बजाज, अजय सीतलानी , दिलीप डोसी , नकुल पाटोदी, नेम लुहाड़िया , सुनील शाह, जेनेश झांझरी, सुशील गोधा, संजय सेठी, चेतन गंगवाल, राजेश जैन, आदि उपस्थित थे । इस अवसर पर आयोजित विनयांजलि सभा का संचालन मनीष अजमेरा ने किया।

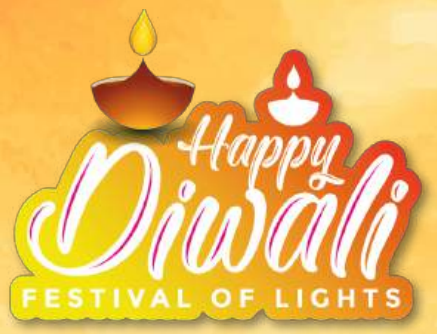


# आप सभी को भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक पर्व व दीपावली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

यह पावन पर्व आपके जीवन में अंधकार पर प्रकाश, दुख पर सुख और असफलता पर सफलता की विजय लाए। आप सभी के घर-आंगन सदा खुशियों और समृद्धि से जगमगाते रहें।

**शकुंतला बिंदायक्या, अध्यक्ष**

**सुनीता गंगवाल, मंत्री**

**उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष**

**एवं दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान महिला अंचल**

# संयम में प्रवृत्ति ही साधना का सार, असंयम से निवृत्ति ही मुक्ति का आधार: मुनि हितेंद्र ऋषिजी

## उत्तराध्ययन सूत्र के 31वें-32वें अध्ययन की विवेचना

**पनवेल. शाबाश इंडिया**

जिसके भीतर विनय आ जाए, वही व्यक्ति अपने जीवन की दिशा बदलकर मोक्ष की दिशा पकड़ लेता है। कापड़ बाजार जैन स्थानक में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के शिष्य मुनि हितेंद्र ऋषिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के 31वें और 32वें अध्याय का भावार्थ करते हुए कहा कि अकड़ व्यक्ति को तोड़ देती है, जबकि विनम्रता जीवन को साधना की दिशा देती है। मुनिश्री ने झुकने के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा लचीली लकड़ी झुक जाती है, लेकिन कठोर लकड़ी टूट जाती है। जीवन में झुकना हार नहीं, बल्कि विकास का आरंभ है। विनय से ही पराक्रम का द्वार खुलता है, और वही पराक्रम मोक्षमार्ग का पथ प्रशस्त करता है। हितेंद्र ऋषिजी ने कहा संवेग वह चेतना है, जो जीव के भीतर मोक्ष की तीव्र अभिलाषा जगाती है। जब मोक्ष की रुचि जागती है, तब धर्म के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है, और श्रद्धा से ही गति मिलती है। उन्होंने बताया कि संवेग, निर्वेद, अनुकंपा, आस्था और श्रद्धा ये पाँच भाव प्रतिक्रमण सूत्र में प्रतिपादित हैं। जो इन भावों को अपने जीवन में उतार लेता है, वह कषायों को क्षीण करते हुए धीरे-धीरे मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर होता है। स्वाध्याय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुनिश्री ने कहा स्वाध्याय से ज्ञानावरणीय कर्मों का क्षय होता है। श्रुत की आराधना करने वाला जीव अज्ञान से मुक्त होता है और क्लेश से रहित रहता है। जब मन एकाग्र होता है, तभी चित्त में शांति आती है। आज मन चंचल है, इसलिए समाधि दूर है,किंतु जब मन स्थिर हो जाए, तो भीतर की अशांति भी शांति में बदल जाती है। उन्होंने कहा कषायों का प्रत्याख्यान ही वितरागता का आरंभ है। जब क्रोध, मान, माया और लोभ घटते हैं, तब आत्मा तेरहवें गुणस्थान की ओर बढ़ती है। सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए मुनिश्री बोले सेवा करने वाला जीव तीर्थंकर नामगोत्र का उपार्जन करता है। पर आज लोग सेवा से दूर भागते हैं – वे सेवा लेना तो चाहते हैं, पर देना नहीं चाहते। सेवा ही वह साधना है जो आत्मा को महान बनाती है। मुनिश्री ने कहा कर्मबंधन के मूल कारण दो ही हैं ,राग और द्वेष। जब तक ये बने रहेंगे, तब तक दुख का अंत नहीं होगा। रागद्वेष कम होते ही मोहनीय, ज्ञानावरणीय और दर्शनावरणीय कर्मों का क्षय होता है, और अंततः केवलज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरण देते हुए कहा माँ बेटे पर राग रखती है और बहू पर द्वेष – यही संसार का चक्र है। जब तक यह भाव है, तब तक शांति नहीं। यह सब क्षणिक संबंध हैं, रागद्वेष घटेगा, तभी मुक्ति की दिशा खुलेगी। 30वें अध्ययन तव मग्गं तव मगा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा तप के बिना मोक्षमार्ग संभव नहीं। तप से करोड़ों भवों के संचित कर्म क्षीण हो जाते हैं। मुनिश्री ने कहा बाह्य और आभ्यंतर -कुल बारह प्रकार के तप बताए गए हैं, जैसे अनशन, उनोदरी, रसपरित्याग, कायाक्लेश, प्रायश्चित्त, स्वाध्याय, ध्यान और कायोत्सर्ग आदि। उन्होंने स्पष्ट किया अनशन केवल कर्मक्षय ही नहीं करता, बल्कि स्वास्थ्य भी सुधारता है। भूख से थोड़ा कम खाना यही उनोदरी तप है। भोजन से लेकर भोगों तक, हर क्षेत्र में संयम आवश्यक है। प्रायश्चित्त को सबसे कठिन तप बताते हुए उन्होंने कहा प्रायश्चित्त में अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ती है, और सत्य छिपाने से आत्मा का पतन होता है। 31वें अध्ययन की व्याख्या करते हुए हितेंद्र ऋषिजी ने कहा विवेकपूर्वक प्रवृत्ति ही संयम है। बिना विवेक के किया गया कोई भी कार्य असंयम है। उन्होंने कहा जैसे रसोई बनाते समय सावधानी आवश्यक होती है, वैसे ही जीवन के हर कर्म में विवेक जरूरी है। असंयम में निवृत्ति और संयम में प्रवृत्ति ही साधना का सार है। मच्छर मारना या प्राण हिंसा करना असंयम है; पर सफाई रखकर प्राणी नष्ट होने से बचाना यही संयम है।

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव
एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

सुनील बख्शी पुत्र स्व. श्री
बख्शी भागचन्द जी

अध्यक्ष- दिगम्बर जैन मंदिर आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी)
मानद मंत्री-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर
संयुक्त सचिव- श्री दिगम्बर जैन मंदिर महासंघ, जयपुर
मानद मंत्री-दिगम्बर जैन मंदिर चाकसू का चौक एवं जग्गा की बावड़ी
ट्रस्टी- धर्मशाला बख्शी जी, रामगंज बाजार, जयपुर
ट्रस्टी-साईबाबा संस्थान, जयपुर
ट्रस्टी-वीरागोदय तीर्थ धार्मधाम, पथरिया, दमोह, म.प्र.
सेकेट्री- जीतो जयपुर चेप्टर

175, विराग बख्शी चैम्बर, बख्शी जी का चौक,
रामगंज बाजार, जयपुर, मो. 9929090242

1008 श्री भगवान महावीर के 2552 वें निर्वाण महोत्सव पर
मिथ्यात्व का नाश हो, सम्यक ज्ञान की ज्योति से
जीवन प्रकाश मय हो, 21 अक्टूबर 2025 मंगलवार को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभाकांक्षी

परम संरक्षक श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर
अश्विनी - मधु जैन गोधा

अशुंल-श्रीमती पूर्वा, रोहन-सलोनी (पुत्र-पुत्रवधू), रुविर एवं अद्विक (पौत्र)
सहित समस्त गोधा परिवार नेमीसागर वैशाली नगर, जयपुर
आवास : 113 नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर 302021 (राजस्थान)

भगवान महावीर
निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
Tikam Chand Jain and family

FLEECA INDIA PVT. LTD.
TYRE BACHAO - GADI BACHAO
www.fleeca.in

आप सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस, दीपावली, भाईदूज
की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

एक नई शुरूआत
अंग्रेजी माध्यम के साथ

SVM
— तमसो मा ज्योतिर्गमय —
SVM
School Bhainslana(Jaipur)

YOUR KIDS DESERVE
THE BEST
EDUCATION

ENROLL
NOW
SESSION 2025-26

We Provide
Well Experienced Trained Faculity
Affortable Fee Structure
CCTV Monitoring
Extra Classes for Weak Students
Weekly Test
Transportation Available
Better Discipline

ENGLISH MEDIUM
AND
HINDI MEDIUM

Visit The New School Campus

सावित्री विद्या मंदिर (SVM), भैंसलाना
निदेशक: हरदेवलाल कुमावत
मो. 9928947805

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री दिगंबर जैन महासमिति
महिला अंचल त्रिशला सम्भाग दुर्गापुरा

चंदा सेठी
संस्थापक अध्यक्ष

रेणु पांड्या
अध्यक्ष

छवि विनायक्या
मंत्री

सीमा सेठी
कोषाध्यक्ष

सुनीता पांड्या
महिला प्रकोष्ठ मंत्री

संगीता काला
युवा प्रकोष्ठ मंत्री

रजनी बोहरा
मनोनीत सदस्य

रितु वांदवाड
मनोनीत सदस्य

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

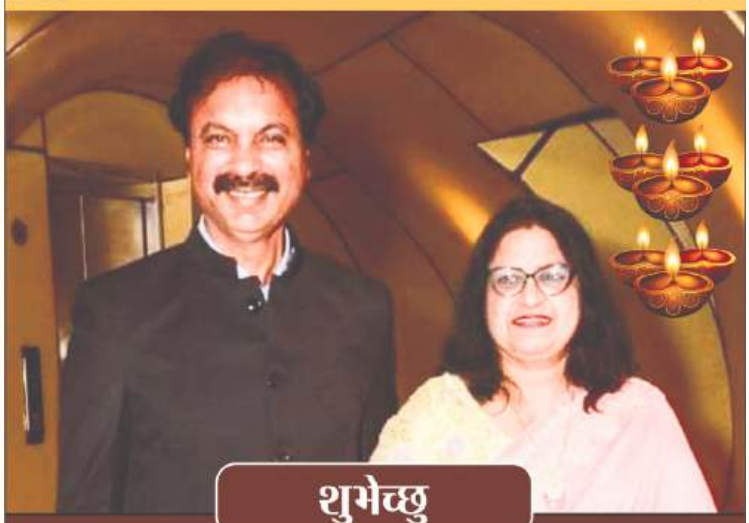

शुभेच्छु

डॉ. राजीव-अंजू जैन

- पूर्व चेयरपर्सन लायंस क्लब
- वाईस चेयरमेन- जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्दन रीजन
- पूर्व अध्यक्ष- लायंस क्लब राईजिंग स्टार
- पूर्व अध्यक्ष- रॉटरी क्लब जयपुर नॉर्थ
- पूर्व अध्यक्ष- जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
- चेयरमेन- क्रिएचर फाउंडेशन

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

लायन पीयूष - मोनाली सोनी जैन
मास्टर भव्य सोनी

फाउंडर अध्यक्ष- जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी, जयपुर
अध्यक्ष- लायंस क्लब जयपुर आकाशदीप ( डिस्ट्रिक 3233 ई-1 )
महामंत्री- जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी

निवास-वैशाली नगर, जयपुर मो. 9351880001, 7014948001

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

पदम चन्द जैन (बिलाला) - पुष्पा देवी बिलाला
CA पारस बिलाला-दीपिका जैन
Er. पहुप बिलाला-रूचिका जैन
आदिश्री, आदिश, आदित, आदिवा
निवास: 21, शिवा कॉलोनी, इमली फाटक, जयपुर-15
मो. 9314524888, 9314024888

CA INDIA
Jain Paras Bilala & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS
OUR OFFICES :
New Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata, Noida, Kota,
Jodhpur, Udaipur, Ajmer, Triuppur (TN), Dibrugarh (Assam)

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल-अनिता जैन
अध्यक्ष: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन
युवा महासभा, जिला जयपुर

परम संरक्षक: अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सेंटल यूथ विंग, जयपुर
सचिव: रोटरी कल्ब जयपुर नॉर्थ
राष्ट्रीय संयोजक: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा (सदस्यता प्रकोष्ठ )
प्रोजेक्ट डायरेक्टर: चित्रकला प्रतियोगिता, आर.जे. ओ.
परम संरक्षक: अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् जिला जयपुर

अध्यक्ष (टोंक रोड ) : अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद
उपाध्यक्ष: सखी गुलाबी नगरी
सांस्कृतिक मंत्री : श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा

नवकार किचन एंड हार्डवेयर नवकार इंटीरियर्स
शॉप न. 22 न्यू आतिश मार्केट, जयपुर मो. 9530297446

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

## इन्जी पी सी छाबड़ा-तिलक मती जैन

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी इन्टरनेशनल फांण्डेसन के राष्ट्रीय महासचिव इन्दोर
भारत की एक मान्यता प्राप्त 105 वर्ष पुरानी इन्स्टीट्यूट ऑफ
इन्जिनियरिंस इंडिया के राज्य कार्यकारिणी सदस्य
दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखंना व निमोला के परम संरक्षक
श्रमण ज्ञान भारती मथुरा चौरासी के ट्रस्टी व जम्बू स्वामी के स्थायी आमंत्रित
अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा के प्रबंध समिति के सदस्य
अन्य संस्थाओं जेसे दि. जै. महासमिति के शिरोमणि संरक्षक, टीएमयू,
महावीर इन्टरनेशनल ऐसोसिएशन, संरक्षक अणुव्रत, संरक्षक प्रांतीय धर्म सरक्षणी,
दिंगबर जैन सोशल गुर्प व कई मन्दिरों से जुड़े हुए हैं
BJS के राज्य उपाध्यक्ष रहे, अभी सक्रिय सदस्य
पेटर्न मेम्बर जीतो Jito

9414052412, B-53, जनता कालोनी, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

## लायन पीयूष - मोनाली सोनी जैन
## मास्टर भव्य सोनी

फाउंडर अध्यक्ष- जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी, जयपुर
अध्यक्ष- लायंस क्लब जयपुर आकाशदीप ( डिस्ट्रिक 3233 ई-1 )
महामंत्री- जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी

निवास-वैशाली नगर, जयपुर मो. 9351880001, 7014948001

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष
डॉ. एम एल जैन 'मणि'
डॉ. शान्ति जैन 'मणि'

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर

सचिव: सुरेश-आभा गंगवाल
कोषाध्यक्ष: पारस मल जैन-मंजू देवी जैन
केन्द्रीय फेडरेशन निदेशक: डॉ. मनीष जैन 'मणि'
एवं समस्त तीर्थंकर ग्रुप सदस्य परिवार

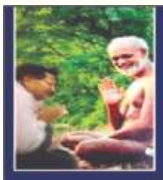

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद कुमार जैन
शास्त्री - ज्योतिषाचार्य
वास्तु एवं जन्मपत्री विशेषज्ञ

मो. 9828076193

Gungun Paradise Jewels
607, Nagorio Ka Chowk, Bordi Ka Rasta,
Kishan Pol Bazar Jaipur 302003
Vikram 9529490441, Manoj 9314527732

दीपोत्सव एवं नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

विजय मेहरा
8003318654

मानस मेहरा
8890065983

शेखर मेहरा
9829277165

## पुनीत मेडिकल स्टोर

सभी प्रकार की अंग्रेजी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व वेटेनरी की दवाईयां
एवं कॉस्मेटिक एवं जनरल आईटम उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

राजस्थान सरकार की योजना RGHS के अंतर्गत राजस्थान राज्य कर्मचारियों एवं
स्वायत्त निकाय कर्मचारियों तथा उनके परिवार जनों को निःशुल्क दवाईयां दी जाती है

राज. सामान्य चिकित्सालय के सामने, नसीराबाद • फोन : 01491-220165, 9414006561

## प्रतीक एक्स-रे क्लिनीक

डिजीटल एक्स-रे एवं ई.सी.जी. की सुविधा उपलब्ध है।

राजकीय सामान्य चिकित्सालय के सामने, नसीराबाद • फोन : 01491-220744, 9829277165

## नानक मैमोरियल हैल्थ सेंटर

सभी प्रकार के रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक (डॉक्टर्स) की सुविधा उपलब्ध। शिशु रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दांत रोग विशेषज्ञ, चर्म रोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथैरेपिस्ट की सुविधा उपलब्ध है। भीलवाड़ा से आने वाले हड्डी रोग विशेषज्ञ की सुविधा भी उपलब्ध है।

पुनीत मेडिकोज के पास, सिंहल क्लिनिक के सामने, फ्रामजी चौक, नसीराबाद
फोन : 9602909668, 9928920223

स्त्री रोग विशेषज्ञा महिला डॉक्टर की सेवाएं भी प्रतिदिन उपलब्ध हैं एवं नियमित टीकाकरण व नर्सिंग केयर की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है।
अपने घर पर गंभीर रोगी को हॉस्पिटल जैसी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सम्पर्क करें : 9414006561

## JAIN APPLIANCES

A HOUSE OF ELECTRONIC

VOLTAS Symphony Whirlpool SONY
micromax orient LG IFB
Panasonic MITASHI BAJAJ
GENERAL HAVELLS KENT SAMSUNG

विनोद जैन

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

B 3, Opposite Pink Square,
Sindhi Colony, Jaipur- 7014436411, 0141-261800

# दिवाली ज्योति महोत्सव

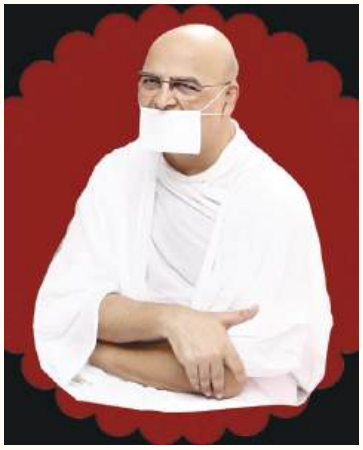

अन्तस्तमस का निवारण करने के लिए, सूर्य के अस्त हो जाने पर भी प्रकाश से निराश न बनने का संदेश देते हुए ज्योति पर्व का पदार्पण होता है। दैनंदिन जीवन में सामान्य मानव अनेक व्यस्तताओं के कारण अपने कार्य केवल दिन में सम्पन्न नहीं कर सकता और रात्रि के अंधकार में आँखे लाचार एवं विवश बन जाती है। ऐसी स्थिति में पुरातन काल से ही उसने प्रकाश प्राप्ति के साधनों की खोज की है। जिसे पहले दीप और आज कल बल्ब आदि नवीकृत रूप में देखा जाता है। ये सभी मनुष्य की उस उत्कृष्ट ईप्सा के परिणाम है जिस ईप्सा के तहत मानव अंधकार से मुक्ति पाना चाहता है। मानव प्रयत्न और प्रकाश के इस प्रतिक का उदात्तीकरण प्रतिवर्ष दीपावली के रूप में प्रस्तुत किया गया किन्तु उस प्रकाश के सन्देश को आज लगभग विस्मृत कर दिया गया है। कृत्रिम प्रकाश की अत्याधिकता में मानव यह भूल गया कि यह प्रकाशपर्व स्वयं को विस्मृत करने अथवा भटकाने के लिए नहीं है। अपितु स्व की अपूर्ण यात्रा को पूर्ण करने के लिए मिला एक स्वर्णिम अवसर है। इस अपूर्णता की समाप्ति के लिए अन्तर में ज्ञान दीप, स्वाध्याय दीप की आवश्यकता है। जैसे दीप बिना स्नेह (तेल) प्रकाश देने में असमर्थ है, वैसे ही स्वाध्याय, ज्ञानसाधना बिना रूचि, अनुराग के अन्तर को प्रकाशित नहीं कर सकती। स्वाध्याय दीप से प्रकाश पाने के लिए उसे भीतरी स्नेह से सिंचित करना ही होगा। मात्र रूक्ष स्वाध्याय अथवा ज्ञान साधना तमस् के निवारण में सक्षम नहीं हो सकती। इसी के साथ एक दक्षता यह भी रखनी होगी ऱदिया तले अंधेराऱ यह उक्ति हमारे जीवन में न हो। दूसरे व्यक्ति हमसे स्वाध्याय ज्ञान तथा तद्नुसार आचरण की प्रेरणा लें किन्तु हमारे जीवन में कोरा उपदेश, ऐसी परिस्थिति नहीं होनी चाहिए। अपने भीतर में स्वाध्याय दीप से ज्ञान प्रकाश की प्रेरणा हम सर्वप्रथम ग्रहण करें। यह पर्व मात्र प्रकाश पर्व नहीं किंतु कुछ और भी है। जैन परंपरानुसार चरम तीर्थकर प्रभु महावीर के निर्वाण प्राप्ति के अवसर पर देवों को आवागमन से जो आभा फैली थी, उस स्मृति को चिरंतन स्वरूप प्रदान करने के लिए नौ लिच्छवी और नौ मल्लवी राजाओं द्वारा निर्वाण दिन को दीपावली के रूप में स्वीकार किया गया। इस प्राचीन घटना एवं कथा के मिथक का यदि आधुनिक परिप्रेक्ष्य में अवलोकन किया जाए तो अनेक रहस्य उद्घाटित हो सकते है। जैसे यह दीपक प्रतीक है, संकेत है, किसका? ज्ञान सूर्य प्रभु महावीर के निर्वाण से उत्पन्न अंधकार के कारण मानव दिङ्. मूढ बन रहा था, हताश हो चुका था। तभी प्रभु गौतम एवं परम उपकारी स्वामी सुधर्मा ने प्रभु वाणी का दीप आगम शास्त्र के रूप में प्रज्वलित कर भव्यजनों के हृदय में आशा किरण फैलाई, बल्कि आशा का दीप जलाया। अतः यह पर्व प्रकाश के साथ-साथ आशा का भी पर्व है। अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के शब्दों में आशा मेरे हृदयमरू की मंजु मदाकिनी है। मानव जीवन में आशा को बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान है। जिसके कारण मानव अपने कदम आगे बढ़ा जाता है। शास्त्रों में या धर्मगन्थों में जिस आशा से साधक को परावृत किया गया है, वह भौतिक संसार से संबंधित है क्योंकि साधना का ध्येय संकुचित नहीं, अपितु विशाल होना चाहिए। तथापि आशा का अपने-अपने क्षेत्र में अनन्य महत्त्व है। आशा ऐसा बिन्दु है जो शनैः शनैः सिन्धु का रूप भी धारण कर सकता है। आशा ऐसा स्फुलिंग है कि जो योग्य सामग्री प्राप्त हो तो ज्वाला का रूप धारण कर सकता है। यह पर्व दीपक के माध्यम से संदेश देता है हे मानव! आकाशमणि सूर्य के अस्त होने पर हताश मत बनो, तुम्हारी कार्य सिद्धि के लिए ही तो निसर्ग एवं मानव मस्तिष्क द्वारा मेरी खोज की गई है। मानव कभी हतबुद्ध नहीं बनता। क्योंकि उसके भीतर में इतना सामर्थ्य है कि वह हर संकट से, आपत्ति से झूझने के लिए एवं उसके निवारण के लिए सदेव कटिबद्ध रहता है। मानव मात्र को निराश न होकर प्रत्येक परिस्थिति से मुकाबला करने की प्रेरणा देने वाला यह आशा पर्व है। प्रत्येक मुमुक्षु को प्रत्यक्षज्ञानी (अवधि, मन, पर्याय और केवलज्ञानी) के अभाव में भी शास्त्र दीप की किरणें बताने वाला यह आशा पर्व है। प्राचीनकाल में प्रायः दीप का प्रचलन ही था, उस दीप की ज्योत में प्रकाश के साथ सौम्यता पाई जाती थी, जो मानव के हृदय वीणा के तारों को झंकारती थी। आज का तीव्रतम प्रकाश मानव को आकर्षण के मुखौटे में भ्रमित कर रहा है, लक्ष्य भ्रष्ट कर रहा है। वह प्रच्छन्न रूप से, मानव की तमसे ज्योति (प्रकाश) की ओर हाने वाली यात्रा को प्रकाश से तमकी ओर मोड़ देता है, जिसमें मानव बहता चला जाता है। भौतिकवाद से ओतप्रोत कृत्रिमतापूर्ण यह वातावरण संस्कृति के ऊध्वारोहण को भी अवरूद्ध कर देता है। समय रहते सावधानी नहीं रखी गई तो यह आधुनिकता की आड़ में पों की उदात्तता को तहस-नहस भी कर देगी। इस संकट से बचने के लिए दीपक के सौम्य स्निग्ध प्रकाश की वास्तविकता को समझकर उसके संदेश को जीवन में अपनाना होगा। दीप की अनेक विशेषताओं में एक विशेषता यह भी है कि दीप की सुरक्षितता के लिए उसे हवा के झोंकों से, थपेड़ों से बचाने की आवश्यकता होती है। दीपावली पर्व जिन स्वाध्याय दीप एवं आशादीप का संदेश लेकर पहुँचा है उन दीप को भी सुरक्षा की आवश्यकता है। आज निसर्ग के कुपित हो जाने से भारत के एक हिस्से में त्राहि-त्राहि मची है, उनके जीवन को घोर निराशा ने घेर लिया है। मानवी संवेदनाओं के साथ जब तक हम उनके साथ तन-मन-धन से यथाशक्ति सम्मिलित नहीं होते तब तक हमारे भीतर का दीप असुरक्षित ही रहेगा। मात्र सुविधावादी दृष्टिकोण रखकर जब तक हम अपने स्वार्थ की परिधि से बाहर नहीं निकलेंगे तब तक दीप ज्योत स्थिर नहीं बन सकेगी। जब तक भौतिकताओं का घेरा नहीं हटेगा, भोगवादी वासनाओं के झंझावत चलते रहेंगे। दीप का अस्तित्व खतरों से घिरा रहेगा। अतः इस पर्व पर हम सभी संकल्प करें। अपने भीतर में दीप प्रज्वलन का, आघातों से उसे सुरक्षित रखने का एवं एक दीप से दूसरे दीप को प्रज्वलित कर दीपावली (दीप पंक्ति) को सार्थक बनाने का। वीर प्रभु के निर्वाण दिन पर उनके चरणों में नतमस्तक होकर उनके पचिन्हों पर चलने की शक्ति प्राप्त करें।

दीपावली पर्व के पंचदिवसीय उत्सव का प्रारंभ धन त्रयोदशी को होता है। यह धन त्रयोदशी हम सभी के लिए एक विशेष महत्त्व रखती है। हमारे श्रमण संघ के साहित्य सूर्य श्रद्धेय आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्रमुनि जी म.सा. का जन्म इसी दिन हुआ था। स्थानकवासी समाज को अपनी ज्ञानरश्मियों से आलोकित करके अज्ञानतमस्को दूर करने वाले उस महान्‌ व्यक्तित्व, कृतित्व के धनी आचार्य प्रवर की जन्म जयंति पर उन्हें शत्-शत् अभिवादन।



श्रमणसंघिय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी-पनवेल

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
Sunil jain 9828012800
Renu jain/lakshya Jain 8696212800
Santosh Gupta 9414050191
May i help you
Term & General Insurance Consultants
Office: 303, Siddhi vinayak, Ashok Marg, Near Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur Ph.: 0141-2372893, 2378187

# चक्रवर्ती श्रीमति अनीता-राकेश अमरोद बनेंगे भगवान के माता-पिता

**देश विदेश में कहीं भी जाये अपनी खरीदी के साथ एक धर्म के लिए भी कुछ लेः मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज**

## भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक किया जायेगा लाडू समर्पित

## 21अक्टू को होंगे सौधर्म इन्द्र सहित सभी प्रमुख पात्रो का चयन : विजय धुर्रा

**अशोकनगर. शाबाश इंडिया**

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ क्षुल्लक गम्भीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज ससंघ एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के कुशल निर्देशन व सान्निध्य में 9दिस से 15 दिसम्बर तक अशोकनगर में आयोजित होने वाले भव्यतिभवव्य श्री मद् जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ शाही गजरथ में भगवान के माता पिता बनने का महासौभाग्य श्रीमति अनीता - राकेश जैन ₹अमरोद₹ को मिलेगा । इसकी घोषणा प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया द्वारा भक्तो की तालियों की गढ़ गढाहट के बीच आज की गई।

## 21 निर्वाण महोत्सव पर होगा सौधर्म इन्द्र का चयन

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के कुशल निर्देशन में दीपावली पर महा महोत्सव के प्रमुख पात्रो में सौधर्म इन्द्र इंसान इन्द्र सनत इन्द्र महेन्द्र इन्द्र धनपति कुबेर महा यज्ञ नायक यज्ञ नायक सहित सभी प्रमुख पात्रो का चयन किया जाएगा। जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित बरोदिया प्रदीप तारई राजेन्द्र अमन मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारल्लिय मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडिटर सजंय के टी थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो दारा भी से समारोह में शामिल होने का निवेदन किया है ।

**कर्म से तो कारोबार बंद होते रहते हैं कभी धर्म के लिए करें तो परिणाम बहुत अच्छा आयेगा : मुनि पुंगव**

इस दौरान विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि दाने दाने पर लिखा है खानें बाले का नाम हम कहते हैं कि आज दुकान बंद रहेगी आज महावीर जयंती है कभी आपने धर्म के लिए दुकान बंद रहेगी कर्म से बंद नहीं होंगी धर्म से बंद रखी ये कहीं बंद होने वाली थी वह कभी आगे बढ़ ती चली जायेगी आप जव भी कहीं जाते हैं तो बच्चों को सब कुछ दिलाया करते बहुत सारी खरीदीं करते हो साल में एक कपड़ा ही सही धर्म के लिए भी खरीद लिया करें वच्चो को भी दिलाया करें धन तेरस है आज धन्य तेरस हो रही है धन में सोना चांदी के रत्न लेकर आयें। लोग समवशरण में लुटाया गया धन जिसका संबंध धर्म से था आज के दिन ही मिले।आप जव देश विदेश में घुमाने जातें हैं तो खरीद दारी भी करते हैं वह से धर्म के लिए एक छोटी सी चीज जरूर लाना धर्म के लिए खरीदी गई वह वस्तु आपके विदेशी यात्रा की याद दिलायेंगे तुम लोगों में घुम कर आने का बहुत महत्व होता है इस यात्रा में एक चीज धर्म के लिए भी खरीद लेना।

## जब आप संबंध तय करते हैं तो वहां के देविधिदेव से भी संबंध बना लेना

उन्होंने कहा कि जव आप कोई संबंध करने जाते हैं तो उस स्थान के मन्दिर से वह के देवाधिदेव व देवताओं से भी संबंध जोड़ लेना आप लोगों के शादी में मन्दिर के लिए भी कुछ देते हैं ये ही संस्कार हमें भगवान से रिस्तेदारी करते हुए जोड़ते हैं । आज एक और सगुन हो रहा है आप संसार में रहकर भी संसार को तज सकते हो कर्म कहता है मैं इससे पानी भरवाऊंगा और आपने भगवान के अभिषेक के लिए कुये से जल भर लिया तो कभी किसी के घर जाकर जीवन में कभी पानी नहीं भरना

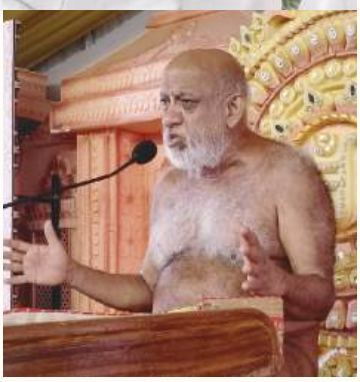

पड़ेगा कर्म तो अपना काम करता है इसको बदला कैसे हैं ये हमें धर्म सिखाता है उन्होंने कहा कि आज पंच कल्याणक महोत्सव के माता-पिता का चयन हो रहा है इसके लिए 21,फर्म भरें गए इन्हीं के बीच से आज हमें प्रमुख पात्र मिलने जा रहा हैं जिनने भावना भाई है वे अपने को धन्य माने।

# दीपावली एकता, प्रेम और सद्भाव का पर्व

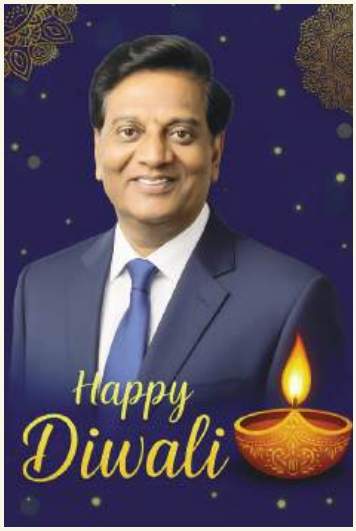


दीपावली भारत का सबसे पवित्र और हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला पर्व है। यह केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश देने वाला उत्सव है। जब घर-आंगन में दीपक जलते हैं, तो केवल अंधकार नहीं मिटता, बल्कि मन के भीतर का अज्ञान, द्वेष और नफरत भी समाप्त हो जाते हैं। इस दिन भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की स्मृति में संपूर्ण नगर को दीपों से सजाया गया था। यह घटना केवल विजय का नहीं, बल्कि प्रेम और धर्म की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। दीपावली हमें सिखाती है कि सच्चा सुख दूसरों के साथ प्रेम बाँटने में, सह-अस्तित्व और सौहार्द में निहित है। दीपावली का पर्व समाज में आपसी मेल-जोल और भाईचारे को बढ़ावा देता है। लोग एक-दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएँ देते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं और पुराने मतभेद भूल जाते हैं। यह पर्व सामाजिक समरसता का सुंदर उदाहरण है, जहाँ जाति, वर्ग और धर्म की सीमाएँ मिट जाती हैं। वास्तव में, दीपावली केवल घरों में नहीं, दिलों में भी रोशनी भरने का पर्व है। यदि हम इस दिन दूसरों के जीवन में भी एक दीपक जलाएँ—मदद, करुणा और प्रेम का—तो यही सच्ची दीपावली होगी। आइए, इस दीपावली हम सब मिलकर संकल्प लें कि प्रेम, एकता और सद्भाव की यह ज्योति हमारे जीवन में सदा प्रज्वलित रहे।

**अनिल माथुर: ज्वाला-विहार, जोधपुर**

## मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम

# वोकल फॉर लोकल को अपनाते हुए स्थानीय उत्पादों की करें खरीद

**जयपुर. कासं**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली महोत्सव के अवसर पर आमजन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी खुशहाली और समृद्धि की कामना की है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम के अन्तर्गत आमजन से मुलाकात कर रहे थे। इस अवसर पर शर्मा ने आमजन से दीपावली महोत्सव के दौरान स्थानीय उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को अधिक गति मिलेगी।

## जीएसटी कम होने से मिल रही राहत

सीएम शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी दरों में कमी कर रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं में राहत पहुंचाई है। इससे आमजन, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारी सहित सभी वर्गों को बड़ी राहत मिल रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आमजन से आत्मीयता के साथ रामा-श्यामा करते दीपावली की शुभकामनाएं दी।

# निर्वाण उत्सव ध्वजारोहण के साथ आज से होगा शुरू, कल चढ़ेगा भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण लड्डू

**चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया**

श्री महावीरजी। अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में भगवान महावीर स्वामी के 2552 वे निर्वाण उत्सव का शुभारंभ आज सुबह नौ बजे मुनि जयकीर्ति जी महाराज मुनी चिन्मयानंद महाराज के सानिध्य में कटला मानस्तंभ प्रांगण में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। कार्यक्रम में तत्पश्चात 9:30 वजे जल यात्रा जुलूस श्री महावीर जी दिगंबर जैन उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चे बैंड वादन की ध्वनि के साथ बगीचे में जाएगा जहां पर 21 कलशो की बोली लगाई जाएगी। जलूस के मुख्य मंदिर पहुंचने पर मंदिर कमेटी के पदाधिकारीयो द्वारा स्कूल के बच्चों को मोदक वितरण पश्चिमी पंडाल में 11वजे किया जावेगा। दोपहर 1वजे से श्री दिगंबर जैन भक्ति संगीत मंडल श्री महावीर जी के सहयोग से पश्चिमी पांडाल में श्रीजी की सामुहिक पूजा अर्चना की जावेगी। इसके बाद शाम 4 बजे श्री जी का मुनि जय कीर्ति जी महाराज एवं मुनि चिन्मयानंद सागर जी महाराज के सानिध्य में विशाल कलशाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जावेगा। सायंकाल 7वजे से पश्चिमी पंडाल परिसर मे दीपकओं के साथ भगवान महावीर स्वामी की सामूहिक महा आरती, भक्ति भजन एवं भक्ति संध्या श्री दिगंबर जैन भक्ति संगीत मंडल श्री महावीर जी के सहयोग से की जावेगी। कल मंगलवार प्रातः बेला में 5:45 पर भोर में भगवान महावीर स्वामी जी का 2552 वा निर्वाण उत्सव निर्वाण लड्डू धूमधाम से चढ़ाया जाएगा। इस मौके पर हजारों की तादाद में देश के कोने-कोने से आने वाले जैन श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। यह जानकारी मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक नेमी कुमार पाटनी ने दी।

# धन तेरस को धन्य तेरस बना भगवान महावीर के दिव्य संदेशों को सार्थक करें: मुनि अनुपम सागर

## वर्षा योग के मंगल कलश निष्ठापन करके सौभाग्यशाली पुण्यार्जकों को वितरित

## श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में संयम भवन में प्रवचन

**सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया**

**भीलवाड़ा।** जीवन में जिस लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते है उसी पर ध्यान केन्द्रित करके रखेंगे तभी उसे प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। पूर्ण दक्षता व कौशल के साथ लक्ष्य प्राप्ति को सहज व आसान बनाने के लिए हमे उमंग, आशा, आत्मविश्वास ओर प्रसन्नता को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। ऐसा करके ही हम धन तेरस को धन्य तेरस बना भगवान महावीर के दिव्य संदेशों को ब्रह्माण्ड में सार्थक कर सकेंगे। ये विचार श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास कर रहे पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर महाराज के शिष्य मुनि अनुपम सागर ने रविवार को संयम भवन में प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के आर्दश व दर्शन को जो अपने जीवन में अंगीकार कर लेता है उसका जीवन सफल व सार्थक बन जाता है। भगवान महावीर ने अपने दर्शन से हमे जीवन जीने की कला सिखाई है। धर्मसभा में मुनि निर्मोहसागर महाराज ने प्रवचन में संगठन ओर स्वाध्याय पर बल देते हुए कहा कि ऐसा करके ही अज्ञान रूपी अंधकार दूर कर कर्मो का शमन करके मोक्ष मार्ग को प्रशस्त कर सकते है। जब तक अज्ञान का अंधकार जीवन में छाया रहेगा हम मुक्ति का मार्ग समझ नहीं पाएंगे ओर संसार सागर में भटकते रहेंगे। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि मुनि ससंघ के सानिध्य में वर्षा योग के मंगल कलशों का निष्ठापन करके सौभाग्यशाली पुण्यार्जकों को वितरित किया गया। रविवार को तीन दिवसीय सिद्ध चक्र विधान का आयोजन सम्पन्न हुआ। इसमें कई श्रावक श्राविकाओं ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। सांयकाल गुरू भक्ति एवं मंगल महाआरती के कार्यक्रम हुए। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में अमावस्या 21 अक्टूबर सोमवार को सुपार्श्वनाथ मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। महावीर सेवा समिति के तत्वावधान में 22 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से सुपार्श्वनाथ विधान का आयोजन होगा। इसी तरह 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से जमना विहार स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में रतनलाल मनोजकुमार कोठारी के तत्वावधान में शांति विधान होगा। समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि मुनि अनुपमसागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 24 अक्टूबर को श्री सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर में सुरेन्द्रकुमार ज्योति जैन के तत्वावधान में कर्म दहन विधान का आयोजन दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा। इसी तरह 26 अक्टूबर को पीछी परिवर्तन एवं सम्मान समारोह दोपहर 1 बजे से शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल होटल में होगा। पूज्य मुनि ससंघ के सानिध्य में सांयकालीन गुरूभक्ति एवं महाआरती का कार्यक्रम यथावत चल रहा है। धर्मसभा का संचालन पदमचंद काला ने किया। नियमित प्रवचन प्रातः 8.30 बजे से हो रहे है।

**भागचंद पाटनी:**
**मीडिया प्रभारी**

# मुनि श्री अरह सागर जी का प्रतापनगर सेक्टर 5 में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** मुनि श्री अरह सागर जी का प्रतापनगर सेक्टर 5 में प्रातः काल मंगल प्रवेश एवं उनके सानिध्य में वृहद शांति धारा सानंद सम्पन्न। मंदिर के कमेटी अध्यक्ष संजय जैन छाबड़ा आवा वाले ने बताया कि प्रतापनगर सेक्टर 5 के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आज प्रातः 6.30 बजे 108श्री अरह सागर महाराज का मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर महाराज श्री के सानिध्य में अभिषेक एवं 1008 मंत्रों से वृहद शांति धारा की गई। जिसके पुण्यार्जक प्रवीण कुमार जैन बैंक वाले, कैलाश चंद जैन मलैया, संजय छाबड़ाआवा, प्रवीण पाटोदी परिवार,मुकेश कुमार पाटनी, पवन नैनवा वाले परिवार रहे। इसके बाद महाराज श्री का मंगल प्रवचन हुआ जिसमें उन्होंने बताया कि इस समय जो हम धन तेरस मनाते हैं ,वह धन्य तेरस तिथि थी। जिस दिन भगवान महावीर की दिव्य देशना खिरी थी। परन्तु संसारी जीवों ने अपने मतलब की चीज अपना ली और इस दिन को धन तेरस के रूप में मनाने लगे। आज के दिन जो भी जीव दान करके पुण्य कमा लेंगे उनका ही बेड़ा पार होगा। मंदिर जी के अध्यक्ष संजय छाबड़ा आवा वालों ने आगंतुक समस्त साधर्मी भाई-बहिनों का भव्य स्वागत किया और मंत्री पवन कुमार नैनवां वालों ने सभी समाज जनों का आभार व्यक्त किया।

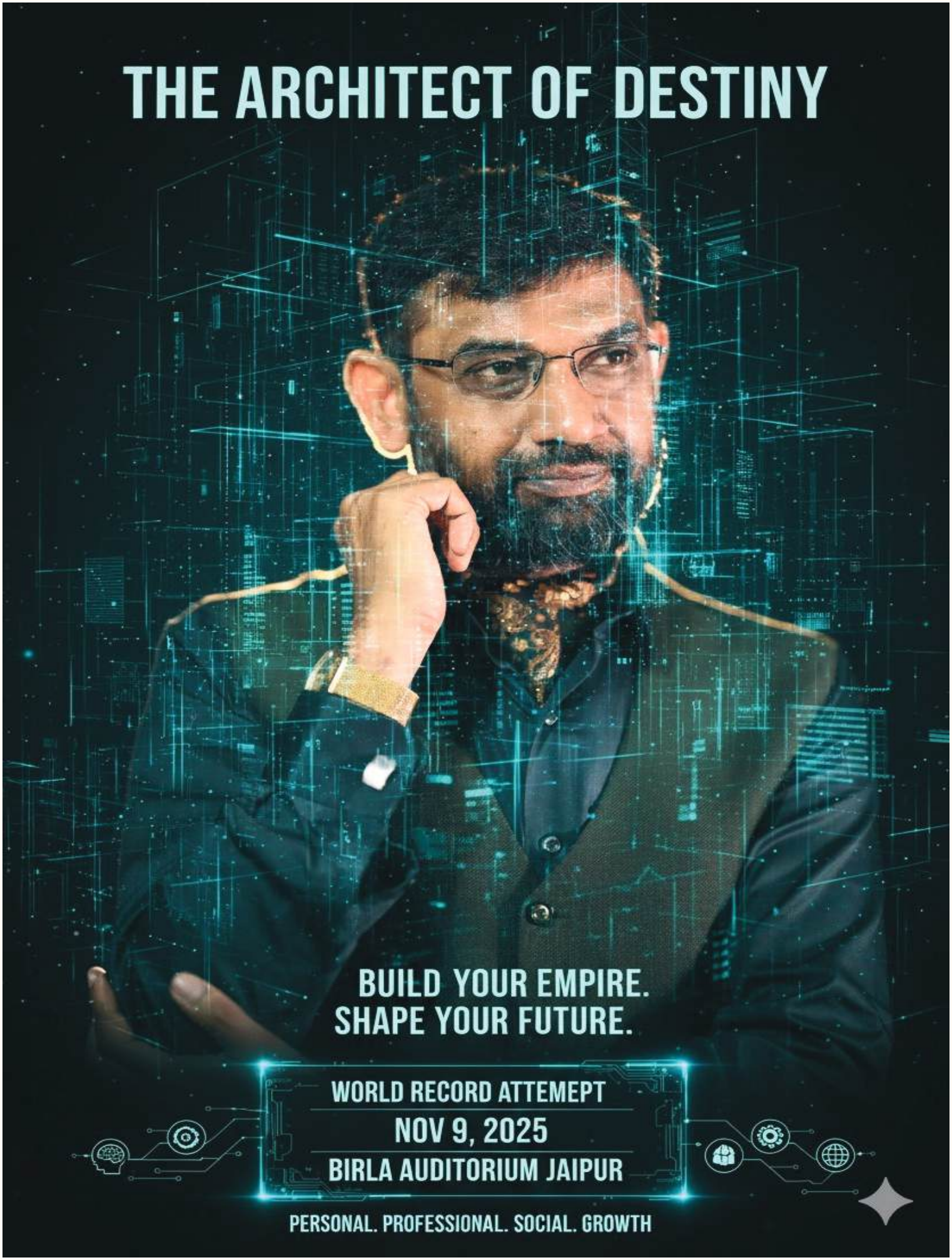
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

भगवान महावीर
निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
Umrao Mal Sanghi
President
Shri Mahaveer Digamber Jain
Shiksha Parishad
Jaipur
Naveen Sanghi
Secatrey- Jaipur chemist association.
Member-pharmacy council of India.
Executive member-Rajasthan
pharmacy council.

Happy Diwali
FESTIVAL OF LIGHTS
सखी
सखी गुलाबी नगरी
अध्यक्ष : सुषमा जैन
संस्थापक अध्यक्ष : सारिका जैन
सचिव : ममता सेठी
उपाध्यक्ष अनिता जैन
उपाध्यक्ष स्वाति जैन
संयुक्त सचिव रितु जैन
संयुक्त सचिव: मोनिका जैन
संयुक्त सचिव नेहा जैन
कोषाध्यक्ष सरोज जैन
सांस्कृतिक मंत्री आशा जैन
पीआरओ सुनीता कसेरा
ग्रीटिंग कोर्डिनेटर दिव्या जैन
कार्यकारिणी सदस्य
निकिता जैन
रानी पाटनी
अंकिता बिलाला
अनिला वारको
एकता जैन
मोनिका जैन
मैनु वेद
प्रिया छाबड़ा
दिवा जैन
एवं समस्त सदस्य सखी गुलाबी नगरी